नई दिल्ली ■ सोमवार 17 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 229 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बिहार विस चुनाव नतीजे से निकले संदेश | 07 अपने ही स्पिन चक्रव्यूह में फंसा भारत, भारतीय धरती पर... | विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की... 08

लालू परिवार में कलह ! बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा-

किसी घर रोहिणी जैसी बेटी ना हो

● मुझ पर धन और टिकट के बदले पिता को गंदी किडनी दान करने का आरोप लगाया गया: रोहिणी

Rohini Acharya
1h ·

कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूँ और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी , करोड़ों रूपए लिए , टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी .. सभी बेटी - बहन , जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा - भाई हो , तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं , अपने भाई , उस घर के बेटे को ही बोले कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे " .. सभी बहन - बेटियां अपना घर - परिवार देखें, अपने माता - पिता की परवाह किए बिना अपने बच्चे , अपना काम, अपना ससुराल देखें , सिर्फ अपने बारे में सोचें .. मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनो बच्चों को नहीं देखा , किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली .. अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया .. आप सब मेरे जैसी गलती , कभी , ना करे किसी घर रोहिणी जैसी बेटी ना हो 🙏

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने रविवार को आरोप लगाया कि भाई तेजस्वी यादव के कुछ सहयोगी उनके बारे में कह रहे हैं कि ''मैंने अपने पिता को गंदी किडनी'' दी और इसके बदले करोड़ों रुपये व पार्टी का टिकट लिया। आचार्य ने भावुक होते हुए 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि ''किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो।'' आचार्य ने ''राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने'' की घोषणा के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली।

हाल में हुए बिहार चुनाव में राजद की हार के लिए रोहिणी ने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों, हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले राजद सांसद संजय यादव और उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले रमीज, को जिम्मेदार ठहराया था। पिछले साल के आम चुनावों में सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली आचार्य ने कहा, ''कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपये लिए, टिकट लिया...।'' एमबीबीएस की पढ़ाई कर चुकीं रोहिणी ने शनिवार को घोषणा की थी कि वह राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हैं। उन्होंने हाल में हुए चुनावों में पार्टी की हार के लिए जवाबदेही तय करने पर जोर दिया। राजद को 243-सदस्यीय बिहार विधानसभा में केवल 25 सीटें मिलीं।

रोहिणी ने ''संजय और रमीज'' के बारे में भी कड़वी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ये दोनों खुद को ''चाणक्य'' जैसा बड़ा रणनीतिकार समझते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की बातों को बिल्कुल महत्व नहीं देते। तेजस्वी और संजय यादव पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, ''सभी बेटी-बहन, जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूलकर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं। अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वह अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे।'' रोहिणी ने कहा, ''...मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा। किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वह कर दिया, जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती कभी न करें। किसी घर रोहिणी जैसी बेटी (पैदा) न हो।'' एक अन्य पोस्ट में लालू प्रसाद की बेटी ने आरोप लगाया, ''कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया... मारने के लिए चप्पल (भी) उठाया गया। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पडी...।'' उन्होंने कहा, ''कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए मां-बाप बहनों को छोड़ आयी, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया.. मुझे अनाथ बना दिया गया। आप सब मेरे रास्ते कभी न चलें, किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी-बहन पैदा न हो।'' रोहिणी अपने बयानों में तेजस्वी के एक और करीबी सहयोगी रमीज को भी निशाने पर ले रही हैं।

रोहिणी आचार्य का अपमान बिहार की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी : सुभाष यादव

राबड़ी देवी के भाई सुभाष यादव ने रोहिणी आचार्य द्वारा परिवार पर लगाए गए गंभीर आरोपों पर कहा कि अगर उनके साथ गलत बर्ताव किया गया है तो यह बिहार की जनता कभी भी बर्दाश्त नहीं कर सकती है। सुभाष यादव ने कहा कि रोहिणी ने अपनी किडनी देकर एक मिसाल कायम की। पिता-पुत्री के बीच गहरे संबंध को जगजाहिर किया। देश और बिहार की जनता को उन पर नाज है, लेकिन अगर कोई उन्हें गलत बोलता है, व्यक्ति चाहे घर का हो या परिवार का, गलत तो गलत ही होता है। बिहार की जनता कभी इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

दिल की आहत अब अग्नि बनी : तेज प्रताप

जबसे मेरी रोहिणी बहन के चप्पल उठाने की खबर सुनी, दिल की आहत अब अग्नि बन चुकी है। जब जनमानस की भावनाएं आहत होती हैं तो बुद्धि पर पड़ी धूल उड़ जाती है। इन चंद चेहरों ने तेजस्वी की भी बुद्धि पर परदा डाल दिया है। इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा। समय का लेखा-जोखा बड़ा कठोर है।

लालू संकेत दे तो जयचंदों को जमीन में...

तेज प्रताप ने लिखा, मैं माननीय आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे पिता, मेरे राजनीतिक गुरु लालू प्रसाद जी से आग्रह करता हूं। पिता जी, एक संकेत दीजिए। आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में गाड़ देने का काम खुद कर देगी। यह लड़ाई किसी दल की नहीं, परिवार के सम्मान, बेटी की गरिमा और बिहार के स्वाभिमान की लड़ाई है।

तीन और बेटियों ने छोड़ा घर, दिल्ली रवाना

बिहार चुनाव 2025 के नतीजों के बाद राजद सुप्रीमो लालू परिवार में मचा घमासान थमता नहीं दिख रहा है। वहीं लालू परिवार में चल रही खींचतान रविवार को और बढ़ गई। एक दिन पहले जहां उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति और राजद परिवार से दूरी बनाने का ऐलान किया था, वहीं अब खबर है कि लालू की तीन और बेटियां - राजलक्ष्मी, रागिनी और चंदा भी अपने बच्चों के साथ पटना स्थित घर छोड़कर दिल्ली चली गई हैं।

आतंकी मॉड्यूल एक साल से तलाश रहा था आत्मघाती हमलावर

जम्मू कश्मीर पुलिस का सनसनीखेज खुलासा

नई दिल्ली/श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में डॉक्टरों के नेतृत्व वाले जिस 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, वह पिछले साल से ही एक आत्मघाती हमलावर की तलाश में जुटा था, और मुख्य साजिशकर्ता डॉ. उमर नबी इस एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहा था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार सह-आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि डॉ. उमर "घोर कट्टरपंथी" था और वह लगातार इस बात पर जोर देता था कि उनके अभियान की सफलता के लिए एक आत्मघाती हमलावर जरूरी था। माना जा रहा है कि डॉ. उमर विस्फोटकों से भरी उस कार में सवार था, जिसमें 10 नवंबर को लाल किले के पास विस्फोट हो गया था। अधिकारियों के मुताबिक, श्रीनगर पुलिस ने डॉ. अदील राथर और डॉ. मुजफ्फर गनई सहित अन्य सह-आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अपनी एक टीम को फौरन दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड भेजा तथा राजनीति विज्ञान में स्नातक जसीर उर्फ 'दानिश' को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती के नेतृत्व में श्रीनगर पुलिस ने पूरे 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने पिछले साल अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में 'डॉक्टर मॉड्यूल' से मुलाकात की बात स्वीकारी, जहां से उसे फरीदाबाद (हरियाणा) के अल-फलाह विश्वविद्यालय में किराये के एक कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने बताया कि मॉड्यूल से जुड़े अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए 'ओवर-ग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू) बनाना चाहते थे, लेकिन डॉ. उमर ने कई महीनों तक उसे बरगलाया, ताकि वह आत्मघाती हमलावर बन सके।

NIA ने पकड़ा उमर नबी का सहयोगी अमीर राशिद अली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राजधानी दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके में कश्मीर के रहने वाले अमीर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया है। राशिद ने ही कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर यह हमला करने की साजिश रची थी। इस धमाके में 10 से ज्यादा लोग मारे गए और 32 लोग घायल हुए थे। एनआईए के अनुसार जांच में सामने आया कि धमाके में इस्तेमाल हुई कार अमीर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। फोरेंसिक जांच से पुष्टि हुई है कि विस्फोटक युक्त वाहन का चालक उमर उन नबी था। उमर पुलवामा जिले का निवासी था और फरीदाबाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत था। एनआईए ने उमर उन नबी का एक और वाहन भी जब्त किया है। जांच में इस वाहन को भी सबूत जुटाने के लिए बारीकी से परखा जा रहा है। अब तक धमाके में घायल हुए लोगों सहित 73 गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 385 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने यह जानकारी दी। सीपीसीबी के समीर ऐप के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 18 निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को ₹गंभीर₹ श्रेणी में दर्ज किया जबकि कुल 20 केंद्रों पर एक्यूआई 300 से अधिक यानी 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया है। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 को 'गंभीर' माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से 4.5 डिग्री कम है, जबकि सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 81 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने की संभावना जताई है जबकि अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

पंजाब: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के फिरोजपुर में अज्ञात नकाबपोश हमलावरों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शनिवार देर रात उस समय की है, जब संघ कार्यकर्ता नवीन अरोड़ा अपनी दुकान से घर जा रहे थे। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ कई दशकों से जुड़े बलदेव राज अरोड़ा के पुत्र नवीन अरोड़ा की फिरोजपुर के मुख्य बाजार में मनियारी की दुकान है। रोजाना की तरह शनिवार रात जब वह दुकान बंद कर घर जा रहे थे तो रास्ते में अज्ञात युवकों ने नवीन को घेरकर गोली मार दी। गोली नवीन के सिर में लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने नवीन को फिरोजपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 को खोला गया

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो कॉरपोरेशन ने सोमवार को राजधानी में बम ब्लास्ट के बाद बंद लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 को रविवार को खोल दिया। यह जानकारी डीएमआरसी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट करके दी है। इससे पहले शनिवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 और 3 खोला गया था। अब सभी गेट खुले हैं। डीएमआरसी के मुताबिक लाल किला मेट्रो के सभी गेटों को खोल दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए कार धमाके में 13 लोगों की मौत और बीस से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इसके बाद से ही एहतेयातन लाल किले मेट्रो स्टेशन में प्रवेश और निकासी बंद कर दी गई थी।

मप्र: ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई तेज रफ्तार कार, पांच लोगों की मौत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गया। मालवा कॉलेज के सामने एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार सामने जा रहे रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, हादसा ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढ़े.6 बजे हुआ। फॉर्च्यूनर कार झांसी की ओर से आ रही थी। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण चालक कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई। कार का आधा हिस्सा ट्रॉली के नीचे चला गया और उसमें सवार सभी पांच लोगों की

मौके पर ही मौत हो गई। शव ट्रैक्टर ट्रॉली और कार के बीच फंसे हुए थे। कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार को कटर से काटकर शवों को निकाला और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, सभी मृतक ग्वालियर निवासी थे। वे कार से उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान क्षितिज उर्फ प्रिंस राजावत, राज पुरोहित, कौशल सिंह भदौरिया, आदित्य उर्फ राम जादौन और अभिमन्यु सिंह तोमर के रूप में हुई है। फॉर्च्यूनर कार ग्वालियर के प्रॉपर्टी कारोबारी उमेश राजावत की है। शनिवार रात करीब 9 बजे वे शनिचरा धाम से लौटे थे। उनका इकलौता बेटा प्रिंस राजावत कार चला रहा था।

राजस्थान के जोधपुर में हाइवे पर हुए सड़क हादसे में गुजरात के 6 श्रद्धालुओं की मौत

अहमदाबाद। राजस्थान के जोधपुर-बालेसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा जिले के छह लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं हैं। राजस्थान पुलिस के अनुसार गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा जिले से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे 20 श्रद्धालु टेंपो में सवार थे और सुबह करीब 5 बजे खारी बेरी गांव के पास टेंपो की अनाज से भरे ट्रेलर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि मौके पर ही तीन महिलाओं की मौत हो गई। बालेसर पुलिस स्टेशन के अधिकारी मूलसिंह भाटी ने बताया कि टेंपो जोधपुर की ओर जा रहा था, तभी सामने से आ रहे अनाज से भरे ट्रेलर से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टेंपो का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया और घायलों को तुरंत बालेसर अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन मौके पर तीन महिलाओं की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर की मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल रेफर किया गया, जहां तीन और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अब तक कुल 6 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया कि 14 घायलों का इलाज जारी है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

कोकीन तस्करी मामला

ईडी ने 100 से अधिक फर्जी खातों पर रोक लगाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में कथित मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े धनशोधन के मामले में तलाशी के दौरान 110 बैंक खातों पर रोक लगाई, 70 लाख रुपये जब्त किए और दुबई स्थित क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट का इस्तेमाल होने का पता लगाया। एक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। फर्जी बैंक खातों का उपयोग अवैध धनराशि के हस्तांतरण के लिए किया जाता है तथा इन खातों को वास्तविक ग्राहक आईडी का दुरुपयोग करके या नकली ग्राहक आईडी का उपयोग करके खोला जाता है। संघीय जांच एजेंसी ने नवंबर 2024 में 82.53 किलोग्राम उच्च श्रेणी की कोकीन की जब्ती से संबंधित स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की शिकायत का संज्ञान लेने के बाद 14 नवंबर को छापे मारे।

छतीसगढ़: सुकमा में मुठभेड़, 3 इनामी माओवादी मारे गए

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र तुमालपाड़ जंगल हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 माओवादियों को मार गिराया। जिसमें 2 महिला माओवादी सहित 3 माओवादी कैडरों के शव डीआरजी टीमों द्वारा बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने रविवार सुबह मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि 16 नवंबर को सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र के तुमालपाड़ जंगल एवं पहाड़ी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम द्वारा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च अभियान के दौरान आज सुबह से डीआरजी जवानों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। तुमालपाड़ मुठभेड़ स्थल से अब तक 02 महिला माओवादी सहित कुल 03 माओवादी कैडर मारे गए हैं।

बस्तर आईजी पी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने स्पष्ट कहा कि माओवाद अब बस्तर में अपने अंतिम चरण में हैं और माओवादी कैडरों के समक्ष हिंसा का मार्ग छोड़ कर सरकार की पुनर्वास नीति अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन की पकड़ टूट चुकी है और अब उनकी दहशत व भ्रम का षड्यंत्र बस्तर में नहीं चलेगा। आईजी ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बलों और विभिन्न हितधारकों की संयुक्त कार्रवाई से बस्तर में बचे हुए नक्सली ठिकानों का तेजी से सफाया किया जा रहा है। बस्तर रेंज में वर्ष 2025 में अब तक सेंट्रल कमेटी मेंबर्स, डीकेएसजेडसी मेंबर्स और पीएलजी काड्र्स सहित कुल 233 माओवादी मारे जा चुके हैं, जो माओवाद की निर्णायक पराजय का प्रमाण है। आसपास के इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक सर्चिंग की जा रही है।

तीनों नक्सली इनामी

एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान माड़वी देवा (5 लाख का इनामी) जनमिलिशिया कमांडर, स्नाइपर स्पेशलिस्ट एवं कोंटा एरिया कमेटी सदस्य, पोड़ियम गंगी (5 लाख का इनाम) कोंटा एरिया कमेटी सीएनएम कमांडर, सोड़ी गंगी (5 लाख का इनाम) किस्टाराम की एरिया कमेटी सदस्य के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से .303 राइफल एवं अन्य हथियार, गोला-बारूद सामग्री भी बरामद की गई है।

स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से चलता है संघ : डॉ. मोहनराव भागवत

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से ही संघ चलता है। मानसिकता से हर स्वयंसेवक प्रचारक ही हो जाता है। संघ की यही जीवन शक्ति है। संघ यानी हम लोग स्वयंसेवक हैं। संघ याने स्वयंसेवकों का जीवन और उनका भावबल है। आज संघ बढ़ गया है।

कार्य की दृष्टि से अनुकूलताएं और सुविधाएं भी बढी है, परंतु इसमें बहुत सारे नुकसान भी हैं। हमें वैसा ही रहना है जैसा हम विरोध और उपेक्षा के समय थे, उसी भावबल से संघ आगे बढ़ेगा। डॉ. मोहनराव भागवत रविवार को पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से आयोजित '...और यह जीवन समर्पित' ग्रंथ के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। यह पुस्तक राजस्थान के दिवंगत संघ 24 प्रचारकों की जीवन गाथा का संकलन है। संघ कार्य के बारे में उन्होंने कहा कि संघ ऐसे ही समझ में नहीं आता है। इसे समझने के लिए प्रत्यक्ष अनुभूति की आवश्यकता होती है, जो संघ में प्रत्यक्ष आने के बाद ही प्राप्त हो सकती है।

कई लोगों ने संघ की स्पर्धा में संघ जैसी शाखाएं चलाने का उपक्रम किया, लेकिन पंद्रह दिन से ज्यादा किसी की शाखा नहीं चली। हमारी सौ साल से चल रही है और बढ़ भी रही है। क्योंकि संघ स्वंयसेवकों के भाव-बल और जीवन बल पर चलता है। डॉ. भागवत ने कहा कि आज संघ का काम चर्चा और समाज के स्नेह का विषय बना हुआ है। संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने क्या क्या किया है, इसके डंके बज रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौ साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि ऐसे ही शाखा चलाकर राष्ट्र का कुछ होने वाला है? लोग तो कहते ही थे कि हवा में डंडे घुमा रहे हैं। ये क्या राष्ट्र की सुरक्षा करेंगे? लेकिन आज संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है और समाज में संघ की स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने प्रचारकों और वरिष्ठ स्वयंसेवकों के जीवन पर आधारित नए ग्रंथ '...और यह जीवन समर्पित' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुस्तक केवल गौरव की भावना नहीं जगाती, बल्कि कठिन रास्ते पर चलने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे इस परंपरा को न केवल पढ़ें, बल्कि अपने जीवन में उतारें यदि उनके तेज का एक कण भी हमने अपने जीवन में धारण कर लिया, तो हम भी समाज और राष्ट्र को आलोकित कर सकते हैं। कार्यक्रम के आरंभ में पुस्तक का परिचय और प्रस्तावना संपादक भागीरथ चौधरी ने रखी। आभार ज्ञान गंगा प्रकाशन समिति के अध्यक्ष डॉ. मुरलीधर शर्मा ने प्रकट किया। समिति के उपाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा ने सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

ग्रेप 3 लागू होने के बाद भी निर्माण कार्य जारी, प्राधिकरण ने 2 करोड़ जुर्माना ठोका

नोएडा। शहर में बढ़ते प्रदूषण के चलते ग्रेप-3 (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के तहत निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर प्रतिबंध लागू है। इसके बावजूद जेपी विशटाउन की कई परियोजनाओं पर दिन-रात निर्माण होता मिला। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला, तहसील प्रशासन और यूपीपीसीबी की संयुक्त टीम ने मौके पर जांच की तो दो हजार से अधिक मजदूर काम करते हुए मिले।

नियमों के उल्लंघन पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जेपी विशटाउन में अधूरी परियोजनाओं को सुरक्षा रियल्टी पूरा कर रही है। निवासियों द्वारा लगातार निर्माण के दौरान नियमों की अनदेखी की शिकायतें की जा रही थीं। ग्रेप-3 लागू होने के बावजूद काम जारी रहने की शिकायत जिलाधिकारी तक पहुंची, जिसके बाद टीम ने मौके पर जाकर जांच की। जांच में निर्माण साइटों पर धूल और मिट्टी उड़ने से वातावरण अत्यधिक प्रदूषित मिला। सेक्टर-128, 131, 133 और 134 स्थित परियोजनाओं पर 50-50 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए दो करोड़ रुपये की कार्रवाई की गई। टीम ने चेतावनी दी कि यदि पाबंदियों का पालन नहीं किया गया तो सख्त कदम उठाए जाएंगे। जेपी इंफ्राटेक के प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें टीम द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी नहीं है।

वहीं, सर्दी का असर बढ़ते ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हवा की गुणवत्ता तेजी से खराब होने लगी है। शनिवार को देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में ग्रेटर नोएडा पहले और नोएडा दूसरे स्थान पर रहा। ग्रेनो का एक्यूआई 418 और नोएडा का एक्यूआई 397, दोनों ही गंभीर श्रेणी में दर्ज किए गए। वायु गुणवत्ता इतनी खराब रही कि लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और गले में खराश की समस्या होने लगी। नोएडा और गाजियाबाद में सख्त प्रतिबंध लागू हैं। स्कूल बंद हैं और निर्माण गतिविधियों पर रोक है। इसके बावजूद प्रदूषण स्तर में कोई सुधार नहीं हो रहा है। ग्रेप-3 लागू होने के बावजूद निर्माण सामग्री खुले में पड़ी मिल रही है और कई निर्माण साइटों पर बड़े पैमाने पर काम जारी है। इससे साफ है कि पाबंदियों का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा, जिसके चलते वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ती जा रही है।

बृहस्पतिवार को भी जेपी विशटाउन में नियमों के उल्लंघन पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था, लेकिन इसके बाद भी निर्माण गतिविधियों में लापरवाही जारी रही। प्रदूषण बोर्ड की टीम ने सेक्टर-19 के ब्लॉक-ए स्थित भूखंड संख्या 5, 768 और 770 पर निर्माण के दौरान नियमों का पालन न करने पर कुल 90 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि प्राप्त शिकायतों के बाद टीम को जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। जेपी विशटाउन में जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की गई है।

इनोवा ने टाटा बोल्ट कार को मारी टक्कर, चालक की मौत

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-142 कोतवाली क्षेत्र में रविवार देर रात सेक्टर-145 मेट्रो स्टेशन के सामने इनोवा कार ने पीछे से टाटा बोल्ट कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टाटा बोल्ट कार के चालक विक्रांत सिरोही (31) निवासी यमुना विहार दिल्ली गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कोतवाली पुलिस का कहना है कि जांच में पता चला है कि विक्रांत परिवार के साथ दिल्ली में रहते थे। वह स्पेन की किसी कंपनी में काम करते थे। काम के सिलसिले में शनिवार को वह जीटा-1 आए थे। यहां से वापस दिल्ली स्थित अपने घर जाने के लिए रविवार देर रात कार से निकले। सेक्टर-145 मेट्रो स्टेशन के सामने वह रविवार देर रात करीब 3:30 बजे सड़क हादसे का शिकार हो गए। जांच में पता चला है कि इनोवा कार चालक तेज रफ्तार में था। इनोवा चालक ने टाटा बोल्ट को टक्कर मारने के बाद कार के बोनट से जा टकराई। इनोवा कार के एयरबैग खुलने के कारण इसमें सवार चालक बाल-बाल बच गया।

जबकि टाट बोल्ट का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में इलाज के दौरान चालक की मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि इनोवा कार को कब्जे में ले लिया गया है। दुर्घटना के संबंध में मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

देर रात कार्यक्रम की पुलिस से शिकायत

ग्रेटर नोएडा। पंचशील हाइनिस सोसाइटी में देर रात तक संगीत बजाने को लेकर शनिवार रात को विवाद हो गया। लोगों ने इसकी शिकायत पुलिस से की गई है। आरोप है कि बिना अनुमति के कार्यक्रम किया गया। सोसाइटी में रहने वाले राम मोहन, निम्न प्रसाद और भास्कर ने बताया कि परिसर में लोग को और बच्चों की सुविधा खेलने कूदने के लिए पार्क का निर्माण किया गया है, जिस पर पिछले दो हफ्ते से बिना अनुमति के कार्यक्रम चल रहे हैं। रोज रात दो बजे तक तेज आवाज में संगीत कार्यक्रम होता है। इससे लोगों को सोने में दिक्कत होती है। शनिवार रात को भी विरोध जताया तो दूसरे पक्ष द्वारा हंगामा किया। साथ ही, पुलिस से शिकायत की।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में दम दिखाया

नोएडा। सेक्टर-82 स्थित विवेक विहार में शुक्रवार को बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कई टीमों ने भाग लिया। इसके अलावा कई अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में परमवीर चक्र से सम्मानित सेवानिवृत कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव मौजूद रहे। इस मौके पर विवेक विहार सोसाइटी के अध्यक्ष कर्नल केएस बिष्ट, कर्नल अशोक प्रभाकर, ऋषि साहनी ने कार्यक्रम के बारे में बताया।

मार्च कर सुरक्षा की तैयारी परखी

नोएडा। एसीपी प्रवीण सिंह ने शनिवार रात पुलिसबल के साथ सेक्टर-126 थानाक्षेत्र के मुख्य बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल मार्च कर सुरक्षा की तैयारियों को परखा। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध वाहनों को तलाशी के बाद ही आगे जाने दिया। वहीं, थाना प्रभारी को एसीपी ने निर्देश दिया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार पेट्रोलिंग की जाए। पीसीआर और पीआरवी वाहन लगातार क्षेत्र में रहें। इसके साथ ही महिलाओं और बुजुर्गों को उनके अधिकारियों के बारे में जागरूक किया गया।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली से गांजा लाकर शहर में आपूर्ति करने वाले तस्कर को फेज वन थाने की पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया। तस्कर की पहचान चौड़ा गांव निवासी आरिफ के रूप में हुई। 19 वर्षीय आरिफ के पास से एक किलो दो सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ नोएडा जोन के अलग-अलग थानों में पांच केस विभिन्न धाराओं में दर्ज मिले। गांजे की तस्करी के अलावा वह चोरी के आरोप में भी पूर्व में जेल जा चुका है।

एसीपी राजीव गुप्ता ने थाना सूरजपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में स्थित थानों को और बेहतर बनाने के मकसद से पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर पुलिस अधिकारियों द्वारा थानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) तृतीय सेन्ट्रल नोएडा राजीव गुप्ता द्वारा रविवार को थाना सूरजपुर का त्रैमासिक निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिसमें कार्यालय अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई तथा पीड़ित जनता के साथ मधुर व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान एसीपी ने थाना परिसर में मौजूद पीड़ित व्यक्तियों से पुलिस की कार्यशैली को लेकर फीडबैक लिया। इस विषय पर पीड़ित व्यक्तियों ने पुलिस की कार्य शैली की प्रशंसा की। आज सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय सेन्ट्रल नोएडा राजीव गुप्ता द्वारा थाना सूरजपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा थाना कार्यालय, कम्प्यूटर कक्ष, साइबर हेल्प डेस्क, डाक कार्यालय, थाना हवालात, थाना मेस, थाना बैरक एवं महिला हेल्प डेस्क, शस्त्र व शस्त्रागार आदि का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसीपी ने थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए थाना प्रभारी व हेड मोहर्रिर को मालखाने में लंबित पड़े माल का शीघ्र निस्तारण करने, थाना परिसर व थाना बैरक की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने, आगंतुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था रखने व लावारिस वाहनों की प्रक्रिया के अनुरूप नीलामी करने के लिए निर्देशित किया। इसके बाद एसीपी ने हवालात, मेस व साइबर हेल्प डेस्क व महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण करते हुए हेल्प डेस्क पर नियुक्त पुलिसकर्मियों को पीड़ितों की अविलंब सहायता करने, प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को रजिस्टर में अंकित करने व सभी शिकायतों का अविलंब गुणवक्तापूर्ण निस्तारण कराने, महिलाओं का फीडबैक लेने को निर्देशित किया। वहीं प्रभारी को सभी आने वाले नागरिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने व लोगों से मृद व्यवहार करने, सभी विवेचकों को लंबित पड़ी विवेचनाओं का जल्द से जल्द समापन करने, पुलिसकर्मियों को सतर्कता से ड्यूटी करने और ड्यूटी के प्रति कर्तव्य, दायित्व और ईमानदारी के साथ ड्यूटी करने के संबंध में निर्देशित किया।,

बता दें कि पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर इन दिनों पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इन दिनों नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के थानों का त्रैमासिक व अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक सहायक पुलिस आयुक्त सेन्ट्रल नोएडा प्रथम वर्णिका सिंह द्वारा थाना फेस-3, सहायक पुलिस आयुक्त सेन्ट्रल नोएडा द्वितीय दीक्षा सिंह द्वारा थाना बादलपुर तथा अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा सन्तोष कुमार द्वारा थाना बिसरख का अर्द्धवार्षिक किया जा चुका है।

पुलिस को दिया सीपीआर का प्रशिक्षण

ग्रेटर नोएडा। कासना थाना परिसर में गोल्डन मिनट्स सेव्ड लाइव्स थीम के तहत पुलिसकर्मियों के लिए सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) और बेसिक लाइफ सेविंग तकनीकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। फोर्टिस अस्पताल की विशेषज्ञ मेडिकल टीम ने पुलिसकर्मियों को हृदयगति रुकने, सांस बंद हो जाने अथवा किसी भी आकस्मिक चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने के तरीके विस्तार से बताए गए। प्रतिभागियों ने मॉडल डमी पर सीपीआर, चेस्ट कम्प्रेशन, एयरवे मैनेजमेंट और हार्ट-रेस्क्यू स्किल्स का प्रैक्टिकल अभ्यास भी किया। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र शुक्ला आदि मौजूद रहे।

71 लाख की धोखाधड़ी के आरोपियों को नहीं मिली अग्रिम राहत

ग्रेटर नोएडा। अदालत ने 71 लाख रुपये की साइबर ठगी से जुड़े मामले में आरोपी यशवंत कुशवाहा व सत्यवंत कुशवाहा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने माना कि मामला गंभीर आर्थिक अपराध से संबंधित है। प्रकरण के अनुसार शिकायतकर्ता कंपनी स्पाइस मनी लिमिटेड ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके डिजिटल वॉलेट और व्यापार संतुलन (ट्रेड बैलेंस) प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ी का लाभ उठाकर आरोपी यशवंत कुशवाहा, सत्यवंत कुशवाहा और सह-आरोपियों ने हेराफेरी की। आरोपी खुदरा विक्रेता और वितरक के रूप में कंपनी के साथ जुड़े थे और डिजिटल भुगतान सेवाएं प्रदान करते थे। तकनीकी खामी के चलते कुछ लेनदेन असफल हुए, लेकिन उन असफल लेनदेन की राशि कंपनी के सिस्टम द्वारा गलती से आरोपी के वॉलेट में क्रेडिट होती चली गई थी। आरोपियों ने इस गलती का फायदा उठाते हुए त्वरित रूप से कई लेनदेन कर लगभग 71 लाख रुपये निकाल लिए। जब आरोपी से संपर्क किया गया तो उसकी कंपनी पर ताला मिला और वह गायब है। आरोपियों ने अधिवक्ता से तर्क दिया कि व्यवसायिक लेनदेन के दौरान तकनीकी गलती से हुई राशि स्वतः क्रेडिट हुई थी। उनका सिस्टम पर कोई नियंत्रण नहीं था और मामला दीवानी का है। तकनीकी त्रुटि को आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता। वहीं अभियोजन और वादी पक्ष ने कहा कि सह-आरोपियों की जमानत पहले ही निरस्त हो चुकी है। अदालत ने कहा कि इतनी बड़ी राशि का उपयोग बिना सूचना अपराध के गंभीर स्वरूप को दर्शाता है। अग्रिम जमानत असाधारण परिस्थिति में ही दी जा सकती है, इस मामले में ऐसा कोई आधार नहीं है। इसलिए जमानत नहीं दी।

फिडे ट्रेनर सेमिनार संपन्न

ग्रेटर नोएडा। जेपी पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय फिडे ट्रेनर सेमिनार का रविवार को समापन हुआ। अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों ने फिडे द्वारा आयोजित तीन घंटे की ऑनलाइन परीक्षा दी, जिसके परिणाम जनवरी 2026 में घोषित किए जाएंगे। द्रोणाचार्य अवार्डी ग्रैंडमास्टर आरबी रमेश ने कहा कि कोचिंग केवल चालें सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि खिलाड़ी की सोचने की क्षमता विकसित करती है। यह सेमिनार भारतीय कोचों में विश्लेषण, अनुशासन और समग्र विकास की समझ को मजबूत करता है। इंटरनेशनल मास्टर विशाल सरीन के अनुसार भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है और सही दिशा व प्रशिक्षण मिलने पर भारतीय खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर और अधिक मजबूती से उभरेंगे। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के उपाध्यक्ष एके रायजादा ने सेमिनार को उत्कृष्ट और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बताया। प्रधानाचार्या मीता भंडुला और सेमिनार कोऑर्डिनेटर नीरज सिंह ने कहा कि जेपी पब्लिक स्कूल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के माध्यम से शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में आनंद कुमार सहित 50 से अधिक मास्टर उपस्थित रहे।

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स

भारतीय मुक्केबाजों के दबदबे वाले दिन प्रीति ने पदक पक्का किया

ग्रेटर नोएडा। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने एक साल बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में भारत के लिए पदक पक्का किया। हेपेटाइटिस ए से जूझने के बाद और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से एक साल दूर रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति ने हांग्झोउ एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता उज्बेकिस्तान की निगिना उक्तामोवा को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेरिस ओलंपिक से एक महीने पहले प्रीति को हेपेटाइटिस ए होने का पता चला था।

अपने मुकाबले के बाद प्रीति ने कहा, ''यह मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर रहा है क्योंकि ओलंपिक से एक महीने पहले मुझे हेपेटाइटिस ए होने का पता चला था। लेकिन इसने मुझे वापसी करने और खुद को और मजबूत महसूस करने के लिए प्रेरित भी किया।'' बीमारी के बावजूद उन्होंने ओलंपिक में अपनी जगह पक्की कर ली और विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता कोलंबिया की येनी एरियास से राउंड 16 के कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गईं। लेकिन घर लौटते ही संक्रमण का असर उन पर फिर से दिखने लगा। उन्होंने कहा, ''ठीक होने में थोड़ा समय लगा। ओलंपिक के बाद मैं तीन महीने तक पूरी तरह बिस्तर पर रही। धीरे-धीरे मैंने वापसी की।'' मौजूदा महिला 48 किग्रा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा, नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा) और अंकुश फंगाल (80 किग्रा) ने भी सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए और पदक पक्के किए।

क्वार्टरफाइनल चरण से शुरू हुए मुकाबले में मीनाक्षी ने कजाखस्तान की बोल्ट अकबोट के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करते हुए अंकुश ने शुरुआती दबाव झेलने के बाद जापान के गो वाकाया को करारे मुक्के मारकर सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। अनुभवी खिलाड़ी नरेंद्र ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल करते हुए यूक्रेन के एंड्री खालेत्स्की को 4-1 के विभाजित फैसले से हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

दिन के अन्य मुकाबलों में महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में पोलैंड की विक्टोरिया रोगालिंस्का ने यूक्रेन की इन्ना स्टेटकेविच (5-0) को जबकि उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग में नाइजीरिया की पेट्रीसिया मबाटा को 5-0 के शानदार स्कोर से हराया। पुरुषों के ड्रॉ में यूक्रेन के एल्विन अलीएव और उज्बेकिस्तान के अदखामजोन मुखिद्दीनोव ने 65 किग्रा वर्ग में जबकि कजाखस्तान के बेगालियेव संझार-अली और ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन ने 80 किग्रा वर्ग में जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान के खलीमजोन मामासोलिएव भी 90+ किग्रा वर्ग में आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने 'नमो रन फॉर रोड सेफ्टी' को दिखाई झंडी

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता सुदृढ़ करना लक्ष्य : सीएम गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो रन फॉर रोड सेफ्टी को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ सम्मिलित हुई। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पूर्वी दिल्ली में सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा द्वारा सांसद खेल महोत्सव का संचालन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में युवाओं को समर्पित यह विशेष रोड सेफ्टी रन आयोजित हुई, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति व्यापक जन-जागरूकता सुदृढ़ करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें तभी सुरक्षित बनेंगी जब हम सभी ट्रैफिक नियमों का पालन करेंगे, धैर्य और संयम के साथ वाहन चलाएंगे और स्वयं जागरूक रहकर दूसरों को भी जागरूक करेंगे। सड़क सुरक्षा अनुशासन, सजगता और सामूहिक जिम्मेदारी का परिचायक है। उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाएं। सुरक्षित चलें और सुरक्षित चलाएं।

इस कार्यक्रम में विधायक अरविंदर सिंह लवली, रविकांत, संजय गोयल, अभय वर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। विधायक अरविंदर सिंह लवली ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि नमो रन फॉर रोड सेफ्टी में शामिल होकर युवाओं के जोश, ऊर्जा और अनुशासन का अद्भुत संयोग देखने को मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रेरित फिट इंडिया मूवमेंट आज न केवल खेल को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी सशक्त कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने सीएजी की सराहना करके 'जनता के खजाने का संरक्षक' बताया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन रविवार को नई दिल्ली में लेखापरीक्षा दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए इस संस्था को 'जनता के खजाने का संरक्षक' बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लेखापरीक्षा में निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा को बनाए रखते हुए सीएजी जवाबदेही, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के एक स्तंभ के रूप में खड़ा है - जो भारत की नैतिक संपदा है। राधाकृष्णन ने केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों के लिए 'एक राष्ट्र, एक वस्तु व्यय शीर्ष' अधिसूचित करने के लिए सीएजी की भी सराहना की। यह एक ऐसा सुधार है जो सरकारी व्यय की पारदर्शिता और तुलनात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और कई अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए बाह्य लेखा परीक्षक के रूप में अपनी भूमिका के माध्यम से सीएजी की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने आगे बताया कि सीएजी वर्तमान में एशियाई सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों के संगठन (एएसओएसएआई) की अध्यक्षता कर रहे हैं, जो भारत के अनुयायी से वैश्विक नेता बनने तक की यात्रा का प्रमाण है। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत @ 2047 के विजन की ओर बढ़ रहा है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी शासन के लिए राजकोषीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में सीएजी एक प्रमुख भागीदार बना रहेगा।उन्होंने अधिकारियों से सार्वजनिक व्यय में पारदर्शिता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए अपने कौशल और लेखा परीक्षा क्षमताओं को निरंतर उन्नत करने का आग्रह किया कि जनता के धन का उपयोग जन कल्याण के लिए किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के मामले में आरोप साबित नहीं होने पर युवक बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2019 के हत्या के एक मामले में आरोपी को आरोप साबित नहीं होने के आधार पर बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को ''सच हो सकता है'' से ''सच ही है'' तक ले जाने में विफल रहा, जो कि आरोपी को दोषी ठहराने के लिए आवश्यक था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भूपिंदर सिंह आरोपी विशाल के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे जिस पर 12 अगस्त 2019 को करोल बाग के एक पार्क में वीरेंद्र को चाकू मारने का आरोप है। अदालत की ओर से 11 नवंबर को जारी आदेश में कहा गया, ''इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि अभियोजन पक्ष द्वारा जिन परिस्थितियों पर भरोसा किया गया है वे पूरी तरह से स्थापित नहीं हुई हैं और वे निर्णायक नहीं हैं।'' अदालत ने कहा, '' अभियोजन पक्ष परिस्थितिजन्य साक्ष्य की श्रृंखला को साबित नहीं कर सका....।'' इसमें यह भी कहा गया कि घटना एक भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्र (पार्क) में हुई, लेकिन अभियोजन पक्ष ने एक भी गवाह से पूछताछ नहीं की। इसमें कहा गया कि अभियोजन पक्ष द्वारा गवाहों से पूछताछ न करना तथा इसके पीछे का कारण स्पष्ट न करना, जांच की ''निष्पक्षता'' और ''पारदर्शिता'' पर गंभीर संदेह पैदा करता है। देश बंधु गुप्ता रोड पुलिस थाने में विशाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पारदी गैंग के दो कुख्यात अपराधी दबोचे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इंटरस्टेट पारदी गैंग के दो वांछित आरोपित अरुण पारदी और टेगा पारदी को गिरफ्तार किया है। दोनों पर मध्य प्रदेश पुलिस ने 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपित हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, लूट और रात में घरों में सेंधमारी जैसे 60 से अधिक संगीन मामलों में वांछित थे। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि पिछले दिनों दक्षिण दिल्ली के नेब सराय, हौज खास और मालवीय नगर इलाके में हुई नाइट हाउस बर्गलरी की घटनाओं में पारदी गैंग की संलिप्तता सामने आई थी। इसी सिलसिले में क्राइम ब्रांच की टीम को उनकी तलाश में लगाया गया। 14 नवंबर को सूचना मिली कि दोनों आरोपित द्वारका के शाहबाद रेलवे स्टेशन के पास अपने एक साथी से मिलने पहुंचने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने वहां दबिश दी और दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी एक संगठित इंटरस्टेट गैंग के सदस्य हैं, जो एमपी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में सक्रिय है। गैंग सड़क किनारे "डेरा" डालकर अस्थाई रूप से रहता है और दिन में खिलौने, गुब्बारे व छोटे सामान बेचकर रेकी करता है। रात में गैंग के सदस्य घरों में घुसकर लूटपाट करते हैं और विरोध होने पर सिर में वार कर गंभीर चोट पहुंचाते हैं।

दिल्ली की अदालत ने वर्ष 2021 के हत्या की कोशिश मामले में 3 लोगों को बरी किया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2021 के हत्या की कोशिश के एक मामले में आरोपी तीन लोगों को बरी करते हुए कहा है कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे उनका अपराध साबित करने में विफल रहा है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भूपिंदर सिंह ने इस मामले में संजय कुमार, चेतन और रिंकू को बरी करने का आदेश दिया। इन तीनों पर तन्मय सिंह नामक व्यक्ति की हत्या की कोशिश का आरोप था। अदालत ने 12 नवंबर के अपने आदेश में कहा, ''घायलों सहित सार्वजनिक गवाहों के प्रतिकूल बयानों को देखते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ एक भी सबूत रिकॉर्ड पर नहीं आया है।'' अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा, ''मुझे यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि अभियोजन पक्ष सभी उचित संदेहों से परे अभियुक्तों का अपराध साबित करने में विफल रहा है।'' अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष घटना और शिकायतकर्ता को लगी चोटों की प्रकृति को साबित करने में विफल रहा।

रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली रज कलश यात्रा में पहुंची सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा - तीन मेट्रो स्टेशनों के नाम बदलेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लद्दाख से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा कर रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली पवित्र रज कलश यात्रा के हैदरपुर पहुंचना अपने आप में एक गौरवपूर्ण क्षण है। यह पवित्र यात्रा पूरे देश को राष्ट्र प्रथम की भावना में पिरोने वाला एक सशक्त संदेश है। मुख्यमंत्री आज हैदरपुरा गांव में रज कलश यात्रा के समान में यहां शामिल हुई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए यादव महासभा और सभी आयोजकों को साधुवाद किया, जिन्होंने इस यात्रा को राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदरपुर गांव की यह धरती आज स्वयं को धन्य मान रही है कि वीर शहीदों की पवित्र स्मृति यहां पहुंची। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यात्रियों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए तीन मेट्रो स्टेशनों के नाम बदले जा रहे हैं। पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन अब मधुबन चौक के नाम से जाना जाएगा। प्रशांत विहार मेट्रो स्टेशन को उत्तरी पीतमपुरा/प्रशांत विहार नाम दिया गया है। हैदरपुर बादली मोड़ का नाम अब हैदरपुर गांव रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैक्स अस्पताल मार्ग के चौड़ीकरण और अंडरपास के निर्माण का कार्य भी तेजी से चल रहा है, जिससे यहां के निवासियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हैदरपुर गांव विकसित दिल्ली की उस नई पहचान का प्रतीक बन रहा है, जिसमें परंपरा को सम्मान और आधुनिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

आईआईसीए में डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में डिजिटल विकास पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) में आयोजित डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना संस्थान (बीआईएसएजी एन) के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर ने डिजिटल शासन, साइबर सुरक्षा, उत्तर क्वांटम कूटलेखन और भारत की विकसित होती डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर कहा कि सुरक्षित प्रौद्योगिकियां और भविष्य के डिजिटल कौशल आज भारत के सामाजिक आर्थिक विकास की जरूरत बन चुके हैं।

आईआईसीए द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच भावी पेशेवरों को सुरक्षित और सक्षम तकनीकी समझ विकसित करना समय की मांग है। विनय ठाकुर ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को विश्व की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक बताया। उन्होंने आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, भारतनेट, को विन, उमंग, मेघराज क्लाउड और बीआईएसएजी एन के भू स्थानिक मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने शासन, सार्वजनिक सेवाओं और नागरिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है।

ठाकुर ने कहा कि डिजिटल इंडिया केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जिसने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम किया है और सेवाओं की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित की है।

एमसीडी उपचुनावों को लेकर दिल्ली भाजपा कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली कार्यालय में रविवार को 30 नवंबर को होने वाले दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों के उपचुनावों की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा,केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा,प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा सहित दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कहा कि आगामी दिल्ली नगर निगम उपचुनावों को लेकर आज प्रदेश कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का प्रेरक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा संगठन अपनी प्रतिबद्धता, अनुशासन और सेवा भाव के साथ दिल्ली में पुनः विजय का परचम लहराकर जनसेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम ने त्रिदेव सम्मेलन में कार्यकर्ता से किया संवाद

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज नजफगढ़ में आयोजित त्रिदेव सम्मेलन में दिचाऊं कलां क्षेत्र से पधारे त्रिदेव समान कार्यकर्ता से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली के गांव और देहात वर्षों तक विकास से उपेक्षित रहे।

पिछली सरकारों ने न तो बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान दिया और न ही ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी। लेकिन दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद हर गली, हर कॉलोनी और हर वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और विकास कार्य निरंतर गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें जनता के बीच जाकर इन्हीं विकास कार्यों की गति और प्रभाव को साझा करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम विकसित दिल्ली के निर्माण के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में वार्ड नंबर 128 से रेखा रानी को विजयी बनाकर हमें नजफगढ़ और दिचाऊं कलां क्षेत्र के विकास को नई गति देनी है। इस अवसर पर सांसद कमलजीत सेहरावत, विधायक नीलम कृष्ण पहलवान, अभय वर्मा, पूर्व मेयर बिपिन बिहारी सिंह, नजफगढ़ जिलाध्यक्ष राज शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनोज तिवारी और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

दिल्ली मेट्रो साइट से 15 लाख की कॉपर केबल चोरी, दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सदर बाजार थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन मेट्रो स्टेशन से चोरी हुई करीब 1200 मीटर कॉपर केबल (कीमत लगभग 15 लाख रुपये) की वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने क्रेन ऑपरेटर रंधीर सिंह और मजदूर पंकज कुमार को गिरफ्तार कर पूरी चोरी की गई केबल बरामद कर ली है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपित उसी साइट पर काम करते थे। रंधीर सिंह हार्डकोर अपराधी है और पंजाब में हत्या सहित राजस्थान में एटीएम चोरी जैसे मामलों में पहले भी शामिल रहा है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के 50 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें दोनों आरोपित ट्रक में कॉपर केबल लोड करते नजर आए। तकनीकी निगरानी से रंधीर का लोकेशन अमृतसर मिला, जहां से उसे 8 नवंबर को दबोचा गया। उसकी निशानदेही पर पंकज को साइट से ही गिरफ़्तार कर लिया गया और चोरी का पूरा माल भलस्वा डेयरी क्षेत्र से बरामद कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में रंधीर ने बताया कि वह नशे का आदी है और आर्थिक तंगी के कारण उसने चोरी की योजना बनाई थी। उसे पता था कि साइट पर पड़े महंगे कॉपर केबल की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सिर्फ 7 दिन तक रहती है। इसी का फायदा उठाकर दोनों ने 2 नवंबर की रात चोरी को अंजाम दिया और ट्रक से केबल हटाकर छुपा दिया।

रोहिणी के स्पा में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, छह नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रोहिणी के एक शापिंग मॉल में चल रहे स्पा सेंटर पर मारे गए छापे में 14 से 17 साल की उम्र की छह नाबालिग लड़कियां मुक्त कराया गया है। इन लड़कियों से जबरन वेश्यावृत्ति कराई जा रही थी। एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) की सूचना पर उत्तरी क्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त ने रोहिणी के स्पेशल स्टाफ के साथ संयुक्त टीम बनाकर छापेमारी की। कार्रवाई में एवीए और बाल विकास धारा जैसे गैरसरकारी संगठन भी शामिल थे। इस कार्रवाई में तीन ग्राहकों और स्पा सेंटर के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया। जबकि पांच बालिग महिलाओं को भी मुक्त कराया गया। दक्षिणी रोहिणी पुलिस थाने में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई। मुक्त कराई गई लड़कियां उप्र और पश्चिम बंगाल की है। अधिकारियों ने बताया कि लड़कियों ने स्पा में नौकरी के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल 'वर्क इंडिया' के जरिए आवेदन किया था। जांच व पूछताछ के दौरान खुद के 18 साल से ज्यादा उम्र की होने का दावा करने वाली एक लड़की के पास कई आधार कार्ड बरामद हुए। इससे यह आशंका जाहिर की जा रही है कि इसके पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिकिंग गिरोह है जो इन पोर्टलों की आड़ में अपना धंधा चला रहा है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार, झारखंड, पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल के साथ पड़ोसी देशों से भी बहुत से कमजोर परिवारों के बच्चों को महानगरों में लाकर देह व्यापार में धकेल दिया गया।

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन ने संदेह के आधार पर मंगलम पैलेस में 'क्रिस्टल ब्यूटी स्पा सेंटर' की छानबीन शुरू की और पाया कि इसकी आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था और पड़ोसी राज्यों से ट्रैफिकिंग के जरिए लाई गई नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार कराया जाता था। छानबीन करने गई टीम ने पाया कि एक बिचौलिया खुलेआम नाबालिग लड़कियां मुहैया कराने के लिए 7500 रुपये मांग रहा था। एवीए ने तुरंत उत्तरी क्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह को इस बाबत सतर्क किया जिन्होंने तत्काल छापे की कार्रवाई शुरू की। इसकी प्रक्रिया और समन्वय के बारे में एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा ने कहा, ''संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह की त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई यह दिखाती है कि जब सिस्टम दृढ़ विश्वास के साथ काम करता है, तो क्या-कुछ संभव है। लेकिन यही तत्परता हमेशा निचले स्तरों तक नहीं पहुंच पाती। ट्रैफिकिंग और इस तरह के रैकेट केवल छिटपुट कार्रवाइयों से ध्वस्त नहीं होंगे। वास्तविक परिवर्तन तभी आएगा जब अधिकारी हर स्तर पर बच्चों की सुरक्षा के प्रति यही प्रतिबद्धता दिखाएं और यह तत्परता अपवाद नहीं, बल्कि नियम बन जाए।''एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन 451 जिलों में बाल संरक्षण के लिए काम कर 250 से अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है। आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं। उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था। जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुरगे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है। यह खुफिया-तंत्र की भी बहुत बड़ी नाकामी है।

बिहार विस चुनाव नतीजे से निकले संदेश

निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निर्माताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को 'हम भारत के लोग' बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निर्माताओं ने 'हम भारत के लोग' कहकर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से सम्बंधित हो सकते हैं। लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निर्माताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है। दुनिया 21वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है।

-हृदयनारायण दीक्षित-

कोई भी घटना अप्रत्याशित नहीं होती। सम्यक आकलन नहीं होता। हमारी नासमझी और व्यापक अनुभवों का उचित मूल्यांकन नहीं होता। हम अनुमान करते हैं। प्रमाणों की सहायता लेते हैं, लेकिन नियति प्रमाणों की परवाह नहीं करती। प्रमाणों के आकलन की छोटी-सी गलती परिणाम बदल देती है। कभी-कभी परिणाम बदलने की जिजीविषा पूरी शक्ति के साथ चुनौती देती है आकाश को, तब सितारों व ग्रह दशा भी बदल जाती है। बिहार चुनाव नतीजे ने सबको चौंकाया है। चुनाव में हार-जीत होती ही है। लेकिन बिहार की जनता ने कमाल किया है और भारतीय चुनाव के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। संविधान निर्माताओं की भी इच्छा थी कि भारत का लोकतंत्र फले-फूले और जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए स्वतंत्र हो। जनता अपने नेता चुनने के अलावा कोई हिंसक रास्ता न अपनाए। इसके लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग बना। संविधान (अनुच्छेद 324) में मतदाता सूची बनाने से लेकर मतगणना तक की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर डाली गई। 1952 से लेकर विधानमण्डल व संसद के चुनाव कराए जा रहे हैं।

निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निर्माताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को 'हम भारत के लोग' बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निर्माताओं ने 'हम भारत के लोग' कह कर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से सम्बंधित हो सकते हैं। लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निर्माताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है।

दुनिया 21वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है। इस देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार के थे। उन्होंने देश को नई दिशा दी थी। सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण हुआ था। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से मिले थे। उन्हें सोमनाथ मंदिर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा ले, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद वहां गए। प्रधानमंत्री की इच्छा न होने के बावजूद गए।

बिहार चुनाव ने किसी भी विभाजक आवाज को अनसुना कर दिया। राजनेता और टिप्पणीकार चुनाव के पहले से ही जीत हार का खाका बना रहे थे। जातियों के प्रतिशत निकाले जा रहे थे। कहा जाता था कि सरकार बनाने के लिए यादव और मुसलमान मिलकर पर्याप्त हैं, इसलिए चुनाव प्रचार की बहुत आवश्यकता नहीं है। इसी तरह सभी छोटी बड़ी पार्टियों में जाति का गणित फिट करने की होड़ थी। नतीजा आ जाने पर भी यह विश्लेषण थमा नहीं। एक बड़े चैनल ने कहा कि महिलाओं ने भारी संख्या में वोट दिया। कहा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं ने राजग को वोट किया। चुनाव का यह विश्लेषण अधूरा है। चुनाव के समय की राजनीति का समग्र विश्लेषण नहीं हुआ। साथ ही चुनाव के संदेश पर भी चर्चा नहीं हो रही।

बिहार के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हीरो थे। उन्होंने 14 सभाएं की। राजग की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदि वक्ताओं को जनता ने सुना। नीतीश कुमार का अपना प्रभाव है। आज से नहीं है, पहले से है। वह अनुभवी राजनेता हैं। स्वाभाविक है उनकी लोकप्रियता का लाभ गठबंधन को मिला है। चुनाव नतीजे राजग के पक्ष में एक तरफा हो गए। दल और उसके समर्थक स्वाभाविक ही खुश हैं। ढोल बाजे बज रहे हैं। खास बात यह है कि चुनाव नतीजे से खास तरह की उम्मीदें हैं। विशेष प्रकार की प्रसन्नता है। इन नतीजों की उम्मीद नहीं थी। जन सुराज पार्टी के अभियान चलाए जा रहे थे, लेकिन उन्हें कोई सीट नहीं मिली। ऐसी उम्मीद उन्हें भी नहीं थी। जो भारी बहुमत से जीते और हारे हैं, सब मिलकर विकास करें। एक समय बिहार में जंगलराज था। अधिकारी पीटे जा रहे थे। अपहरण थे। गुण्डा टैक्स थे। राजनीति की प्रतिष्ठित कुर्सियों पर बाहुबली थे। लोग मारे जा रहे थे। हिंसा का जोर था। कोर्ट ने भी बिहार के जंगलराज पर टिप्पणी की थी। जंगलराज शब्द का उपयोग न्यायालय ने किया था। बाहुबलियों की भरमार थी। नीतीश की पिछली सरकार ने जंगलराज पर काबू पा लिया था लेकिन मध्य वर्ग और टिप्पणीकार चुनाव नतीजों को जाति के आधार पर ही जांच रहे थे। एक समय बिहार में जातियों की सेनाएं थीं। परस्पर युद्ध करती थीं। वह राजनीतिक दलों के ऊपर सवार थीं।

जातिवाद से बिहार झुलसता रहा। लोगों में निराशा थी। लोग सोचते थे कि अब जाति के इस प्रेत का सामना करना कठिन हो गया है। जनता के एक वर्ग ने इसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया था। लोकतंत्र एक जीवनशैली है। विचार आधारित राजनीति लोकतांत्रिक अधिकारों व अवसर का सदुपयोग करती है। समाज को उसका हक मिलता है। बिहार में वैसा नहीं हो रहा था। इतिहास के विद्यार्थी कौटिल्य को बिहार से जोड़ते हैं। तब मगध राज्य था। छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटे देश को राष्ट्र बनाने का काम कौटिल्य ने किया था। छोटे-छोटे दलों को मिलाकर एक सशक्त विकल्प देने का काम भाजपा, जदयू, लोजपा, हम आदि ने किया है। बिहार चुनाव को पूरे देश ने देखा है। चुनाव परिणामों ने किसी को भी निराश नहीं किया। चुनाव में इस बार कोई हिंसा नहीं हुई। बूथ नहीं लूटे गए। अपवाद छोड़कर व्यक्तिगत हमले नहीं हुए। वोट डालने की यह शैली पूरे देश द्वारा सराही गई है। जाति ने राष्ट्र को बड़ी क्षति पहुंचाई है। बिहार का संदेश सुस्पष्ट है। राजनीति में विचारधारा की महत्ता बढ़ सकती है, विकास की मांग बढ़ेगी। जाति की बातें नहीं चलेगी। सबका साथ-सबका विकास राजनीति का एजेण्डा है ही। उम्मीद है कि इससे भारतीय राजनीति में जाति का महत्व घटेगा। पश्चिम बंगाल के अनुभवी राजनेताओं को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। बिहार की आदरणीय जनता को बधाई।

सफेद कालर के आतंकियों ने देश के भरोसे को तोड़ दिया!

-मनोज कुमार अग्रवाल-

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है, क्योंकि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आतंकवाद की भयावह परतें खुलती जा रही हैं। जिन खतरनाक खुलासों का पर्दाफाश हो रहा है, वे सिर्फ चिंता नहीं, बल्कि आतंक के बदलते स्वरूप की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। जो नया खुलासा हुआ है, निःसंदेह प्रत्येक देशवासी को दहशत में में डालने वाला है, क्योंकि आतंकी देश के एक एक या दो जगहों में नहीं, बल्कि 32 जगहों में धमाके करने वाले वाले थे।

यह सोच कर ही रूह कांप जा रहा है कि अगर आतंकी अपने मनसूबे में कामयाब हो जाते, तो फिर क्या होता। इससे एक बात यह भी साफ हो जाती है कि आतंकी अपना नेटवर्क पूरे देश में फैल चुका है। इसके साथ यह साफ हो गया है कि अब आतंकवाद किसी सीमित दायरे का मुद्दा नहीं, बल्कि ऐसे व्हाइट कॉलर नेटवर्क का रूप ले चुका है जिसके तार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, शिक्षण केंद्रों और उच्च शिक्षा प्राप्त वर्ग तक फैले हुए हैं। सफेद कोट और चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे से जुड़े करीब दस उच्च शिक्षा प्राप्त डिग्री धारी डॉक्टर अब तक इस आतंकी साजिश की कड़ी में लिप्त मिल चुके हैं इस वारदात ने पहली बार डॉक्टर जैसे पवित्र पेशे पर आम आदमी के विश्वास और भरोसे को मटियामेट कर दिया है। वहीं एक संप्रदाय विशेष पर भी विश्वास का संकट पैदा करने के हालात बनाने का नापाक काम किया है खासकर काश्मीर मुस्लिमों को अब देश दुनिया भर में शंका की नजर झेलनी होगी। आपको बता दें कि अभी तक की जांच में पता चला है कि साजिश करने वाले आतंकी देश भर के विभिन्न स्थानों पर तैतीस गाडियों में विस्फोट करने का षडयंत्र कर रहे थे पहले इस मामले में सिर्फ चार गाड़ियों की बात सामने आई थी, लेकिन जांच एजेंसियों के नए इनपुट ने आतंकियों की योजना की व्यापकता को उजागर कर दिया है। ये गाड़ियां सिर्फ वाहन नहीं, आतंक की चलती फिरती फैक्टरियां थीं- जिनमें आई 20, मारुति सुजुकी ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर और फोर्ड इकोस्पोर्ट जैसी पुरानी कारों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन गाड़ियों को कई हाथों में ट्रांसफर किया गया था, ताकि पुलिस साजिशकर्ताओं तक न पहुंच सके। यह तरीका आतंकियों की चालाकी के साथ-साथ उनके व्यापक नेटवर्क की पुष्टि करता है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी पूरी साजिश 6 दिसंबर को अयोध्या में हुई बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर बदला लेने की नीयत नीयत से रची गई थी। 33 साल पुराने घटना का हवाला देकर आज भी देश को अस्थिर करने की कोशिशें जारी हैं, यह अपने आप में बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा पहले इस धमाके को शुरू में एक स्थानीय घटना माना जा रहा था, लेकिन अब इसके तार अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क से जुड़ते नजर आ रहे हैं। और इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि यह साजिश किसी एक हमले तक सीमित नहीं थी, चल्कि देशभर में दहशत फैलाने की एक विस्तृत योजना का हिस्सा थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मॉड्यूल ने न केवल हथियार और विस्फोटक जुटाए थे, बल्कि 32 कारों को आईईडी से लैस कर आत्मघाती धमाकों के लिए तैयार किया जा रहा था।

यह संयोग नहीं है कि इन कारों का उपयोग 6 दिसंबर को, बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, विभिन्न जगहों पर धमाके करने के लिए होना था। कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया जाना था जिनमें सिर्फ दिल्ली में छह प्रमुख लोकेशन शामिल थीं। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकियों का मकसद सिर्फ दहशत फैलाना नहीं, बल्कि देश को कई मोर्चों पर अस्थिर करना था। इस पूरी साजिश को और गंभीर बनाता है इसका अंतरराष्ट्रीय पहलू। जांच एजेंसियों का मानना है कि तुर्किये में बैठे एक हैंडलर से उमर नवी लगातार संपर्क में था। हैंडलर का कोड नेम उकासा था। जांच में खुलासा हुआ है कि उमर 2022 में तुर्किये गया था, जहां उसने जैश-ए-मोहश्वमद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े लोगों के साथ सीक्रेट मीटिंग की। टेलीग्राम से शुरू हुई बातचीत एनक्रिप्टेड ऐप्स तक पहुंची, और वहीं कारों में विस्फोटक भरकर दिली और अयोध्या जैसे शहरों को दहलाने की साजिश रची गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उकासा दिल्ली स्थित मॉड्यूल और प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसारगजत उल हिंद के हैंडलरों के बीच मुख्य कड़ी के रूप में काम करता था। अधिकारियों ने बताया कि यह साजिश 2022 की शुरुआत शुरुआत में तुर्की में रची गई थी, जहां उमर और तीन अन्य जो सभी पाकिस्तान समर्थित दो समूहों से जुड़े थे, वहां गए थे। उमर मार्च 2022 में तुर्किये गया था और दो हफ्ते अंकारा में रहा था। उकासा ने ही उन्हें सीक्रेट सेल बनाने और डिजिटल फुटप्रिंट से बचने का तरीका बताया था।

कथित तौर पर इस ऑपरेशन के लिए तीन कारें, एक हुंडई आई 20, एक लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट और एक मारुति ब्रेजा खरीदी गई थीं। स्ट है कि आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियां अब सीमापार फैले हुए संरचनात्मक सहयोग से चल रही हैं। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि भारत में स्लीपर सेल का जाल पहले से अधिक गंभीर व खतरनाक रूप ले चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह माना जा रहा था कि आतंकवादी संगठन भारत की धरती पर कोई बड़ा हमला करने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन इस घटना ने उस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। इस पूरी जांच का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह कैसे संभव हुआ कि आतंकियों को दिल्ली जैसे शहर में सहानुभूति के ठिकाने मिल सके? कश्मीर में दशकों से कुछ क्षेत्रों में आतंकी नेटवर्किंग के प्रति सहानुभूति का वातावरण बनता रहा है, जिससे आतंकियों को पनाह मिलती रही। लेकिन दिल्ली में ऐसा कोई इतिहास नहीं रहा है। ऐसे में यह सवाल और भी पेचीदा हो जाता है है कि आखिर आतंकियों ने यहां कैसे अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और कैसे स्थानीय सहयोग हासिल किया? यह बात साफ दिखाती है कि सुरक्षा एजेंसियों को अब आतंकवाद के स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों आयामों को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि जांच केवल आरोपियों को पकड़ने तक सीमित न रहे, बल्कि उससे आगे जाकर यह समझा जाए कि सिस्टम की ऐसी कौन-सी कमजोरियां हैं जिनका फायदा उठाकर आतंकियों ने इतनी बड़ी साजिश को जन्म दिया। यह भी अत्यंत जरूरी है कि देश की सुरक्षा प्रणाली में ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए जो आतंकवाद को केवल जड़ से उखाड़ ही नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं को भी समाप्त कर दे। आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी लड़ाई केवल सुरक्षा एजेंसियों के बल पर नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और नागरिक समाज के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। सबसे अहम बात यह है कि जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। किसी भी समाज में आतंकवादी विचारधारा तभी पनपती है जब उसे स्थानीय समर्थन या सहानुभूति मिलती है।

किसी नए कार्य के शुरू होने से पहले छींक आए तो होता हैं शुभ संकेत

छींक का आना एक आम बात है। यह आपको कभी भी किसी वक्त आ सकती है। लोगों की छींक आने पर बनी सोच के अनुसार यह अशुभ संकेत या उन्हें नजर लगने की ओर इशारा करती है। वहीं डाक्टरों के मुताबिक जब नाक के अंदर कुछ कचरा फंस जाता है तो छींक आने से आपके नाक से कचरा अपने आप साफ हो जाता है। मगर वहीं वास्तु के अनुसार छींक आना हर बार अशुभ नहीं बल्कि कई बार शुभ भी माना जाता है।

छींक का पीछे से सुनाई देना : अक्सर लोग घर से बाहर निकलते वक्त यदि किसी व्यक्ति की छींक सुन लें तो उनके मन में भ्रम पैदा हो जाता है। मगर वास्तु के अनुसार यदि आपको छींक पीछे से सुनाई दे तो यह अशुभ नहीं बल्कि शुभ संकेत हैं। इसका मतलब आप जिस काम के लिए भी जा रहे हैं तो वह काम बिना किसी विघ्न के पूरा हो जाएगा।

खरीरदारी : उसी तरह बाजार में खरीरदारी करते वक्त अगर किसी की छींक सुनाई दे तो आपके द्वारा खरीदी गईं वस्तुएं आपके लिए शुभ साबित होंगी। ऐसे ही अगर आप नए कपड़े ट्राई करते वक्त किसी की छींक सुनें तो समझ लें आपकी अलमारी नए कपड़ों से भरने वाली है।

बीमार व्यक्ति : अगर आप घर में बीमार पड़े किसी व्यक्ति के लिए दवा खरीदने निकलने पर किसी व्यक्ति की छींक सुने तो समझ जाएं कि वह व्यक्ति जल्द ठीक होने वाला है।

नया कारोबार : नया कारोबार या फिर डील शुरु करने जाते वक्त अगर आपको छींक आए तो इसे भी खुद के लिए शुभ मानें। सुबह के वक्त गल्ले पर बैठते वक्त छींक आना भी शुभ माना जाता है। ऐसा होने से आपका दिन शुभ निकलने वाला है। तो ये थी छींक से जुड़ी कुछ शुभ बातें। अब आपको बताते हैं भला छींक आना कब अशुभ माना जाता है... धार्मिक कार्यों की शुरुआत करते वक्त छींक आना अशुभ माना जाता है। रात को सोने से पहले और सुबह उठते ही छींक आना या फिर सुनना अशुभ माना जाता है। परीक्षा देते जाते वक्त छींक आना भी अशुभ बात की तरफ संकेत देता है। किसी यात्रा की शुरुआत से पहले भी छींक सुनना गलत माना जाता है। अगर नए घर में प्रवेश करते वक्त छींक का एहसास हो तो वहीं रुक जाएं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1278 - इंग्लैड में 680 यहूदियों को नकली मुद्रा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और इनमें से 293 को फांसी पर लटका दिया गया।
1525 - मुगल शासक बाबर ने भारत को जीतने के मकसद से सिंध के रास्ते पांचवीं बार प्रवेश किया।
1831 - इक्वाडोर और वेनेजुएला ग्रेटर कोलंबिया से अलग हुए।
1869 - इंग्लैंड के जेम्स मूरी ने 13 हजार किलोमीटर लंबी पहली साइकिल रेस जीती।
1932 - तीसरे गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत हुई।
1933 - अमेरिका ने सोवियत संघ को मान्यता देते हुए व्यापार के लिए सहमति दी।
1966 - भारत की रीता फारिया ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। मिस वर्ल्ड बनने वाली वह पहली एशियाई महिला थी।
1970 - सोवियत अंतरिक्ष यान 'लुनाखोद-1' चन्द्रतल पर उतरा।
1970 - रानी लक्ष्मीबाई का एक महत्त्वपूर्ण पत्र जो की उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को लिखा था लन्दन में ब्रिटिश लाइब्रेरी के आर्काइव्स में मिला है।
1993 - अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने उत्तरी अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) को मंजूरी दी।
1995 - ओसाका में एशिया प्रशांत आर्थिक संघ (एपेक) का सातवां शिखर सम्मेलन शुरू।
1999 - अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को यूनेस्को ने स्वीकृति दी।
2004 - रामेश्वर ठाकुर उड़ीसा के राज्यपाल बने।
2005 - श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव सम्पन्न। इटली की संसद ने व्यापक संविधान संशोधनों को मंजूरी प्रदान की।
2005 - वोल्कर समिति के दस्तावेज उपलब्ध कराने का संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बढ़ा।
2006 - अमेरिकी सीनेट ने भारत-अमेरिका परमाणु संधि को मंजूरी दी।
2007 - जाफना प्रायःद्वीप में श्रीलंकाई सेना से मुठभेड़ में 11 लिबरेशन टाइगर मारे गये।
2008 - जे. एस. डब्ल्यू स्टील लिमिटेड ने बेल्कारी में 220 करोड़ की लागत से इस्पात संयंत्र स्थापित करने के ब्रिटेन की सीबरफील्ड रीवे स्ट्रेक्चर के साथ में समझौता किया।

मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है—क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया—स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (Special Intensive Revision – SIR) को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं- मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है। साल 1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव

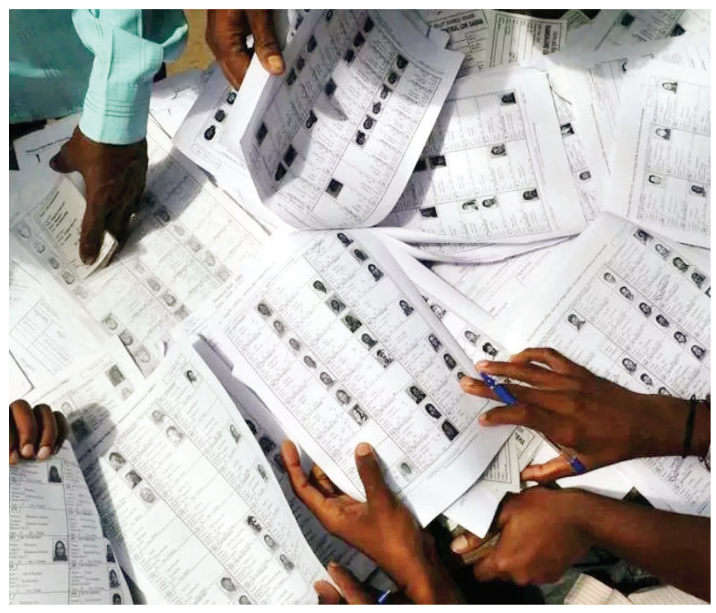

आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं- वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार- मताधिकार से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है। कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों- जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है। भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना।

अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं- पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

'सनातन संस्कृति शाश्वत, समावेशी, समग्र और प्रकृति के अनुकूल संस्कृति है'

नई दिल्ली। सनातन संस्कृति के संरक्षण - संवर्धन तथा उसके गौरवपूर्ण, मूल्यनिष्ठ और अनंत इतिहास को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि भारत के प्रत्येक सनातनी के मन में अपने धर्म, समाज और संस्कृति के प्रति सच्ची श्रद्धा एवं संवेदनाएं जागृत हों। सनातन संस्कृति शाश्वत, समावेशी, समग्र और प्रकृति के अनुकूल संस्कृति है। यह बातें नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'ओम् सनातन न्यास' की ओर से भव्य धार्मिक आयोजन 'सनातन संत सम्मेलन-2025' में आए संतों ने कही। इस दौरान कार्यक्रम में संत समाज ने सनातन और राष्ट्र को पुनः जीवंत व जागृत करने का संकल्प लिया जाएगा।

इस आयोजन को 'ओम् सनातन न्यास' ने एकल विद्यालय, एकल अभियान, जेबीएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन जैसी सहयोगी संस्था के साथ मिलकर आयोजित किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म और राष्ट्र महात्माओं के आदर्शों के प्रति निष्ठावान पीढ़ी का निर्माण करना है और उनके अनुभवों, ज्ञान और आत्म-कल्याण के सिद्धांतों को जन-जीवन में स्थापित करना है।

इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने कहा कि समय की मांग है कि हम सभी एक होकर सनातन को विश्वभर में पुनर्स्थापित करें। यह संस्कृति केवल परंपरा नहीं, बल्कि मानवता का मार्ग है। इसे आने वाली पीढ़ियों तक सशक्त रूप में पहुँचाना हम सभी का कर्तव्य है।" उन्होंने सभी संतों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए एकता, प्रेम और सामाजिक जागरण का संदेश दिया। इस दौरान स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज ने भारत लोक शिक्षा परिषद को "सनातन रत्न सम्मान" प्रदान किया। साथ ही तीन अन्य प्रमुख संस्थाओं को "सनातन गौरव सम्मान" से अलंकृत किया गया।

जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी (विश्व शांति दूत) ने वैश्विक चुनौतियों पर सारगर्भित विचार रखते हुए कहा कि सनातन संस्कृति ही मानवता को शांति, सद्भाव और समाधान का मार्ग दिखा सकती है।

कथावाचक परम पूज्य श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने सनातन धर्म की एकता और शक्ति पर प्रेरणादायी संदेश दिया तथा समाज में आध्यात्मिक जागरण की अलख जगाई। श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सलाहकार सरदार परमजीत सिंह जी ने युवाओं को सनातन जीवन-मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी को राष्ट्र एकता और सद्भाव के लिए प्रेरित किया।

महंत रवींद्र पुरी जी महाराज ने राष्ट्र और संस्कृति के उत्थान में संत समाज की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अपने ओजस्वी उद्बोधन से सभी को प्रेरित किया।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज ने राष्ट्रीय एकता, प्राकृतिक संरक्षण, मानव सेवा और सनातन के संरक्षण-संवर्धन का सारगर्भित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "सनातन न तो आरंभ हुआ, न कभी समाप्त होगा - यह अनादि, अनंत और विश्व कल्याण की आधारशिला है। मानवता को प्रेम, करुणा और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में गुरुदत्त टंडन के साथ ही साध्वी ऋतंभरा, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, काष्णी पीठाधीश्वर के स्वामी गुरु शरणानंद जी महाराज, योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद जी महाराज, अखिल भारतीय संत मंडल के अध्यक्ष नारायण गिरी जी महाराज के साथ ही शिक्षाविद, समाजसेवी, शोधकर्ता, वैज्ञानिक तथा विचारक मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन ओम् सनातन न्यास के मुख्य संयोजक नीरज रायजादा और स्मृति कुच्छल ने किया। इस दौरान ओम् सनातन न्यास मुख्य संरक्षक (प्रबंधक समिति) गौरव अग्रवाल, योगेन्द्र गर्ग, रमेश लोधी और वेद प्रकाश आदि लोगों की कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही।

ब्राजीलः साओ पाउलो में अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन हुआ आयोजित

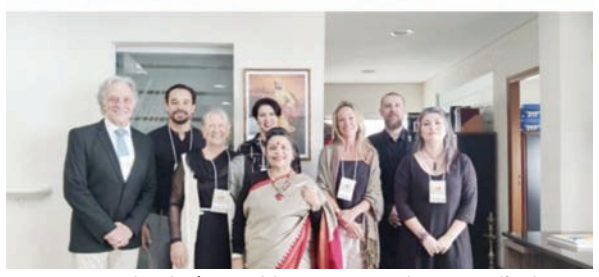

नई दिल्ली। ब्राजील के साओ पाउलो में हुए तीसरे अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन में दो दिनों तक विशेषज्ञों ने आयुर्वेद के 40 वर्ष पूरे होने पर इसकी यात्रा, भारत और ब्राजील के बढ़ते सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के भविष्य, नई शोध संभावनाओं और ब्राजील में आयुर्वेद को आधिकारिक नौकरी श्रेणी में शामिल किए जाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही दिसंबर में नई दिल्ली में होने वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय के वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत ब्राजील में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने की। मंत्रालय ने कहा कि भारत और ब्राजील के बीच पारंपरिक उपचार पद्धतियों को लेकर सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ब्राजील दक्षिण अमेरिका का पहला देश है जिसने आयुर्वेद को आधिकारिक मान्यता दी है और इसी साल ब्राजील के उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन की भारत यात्रा से इस साझेदारी को और मजबूती मिली है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद शरीर, मन और जीवनशैली के संतुलन पर आधारित विज्ञान है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच हुए समझौते और संस्थागत सहयोग आयुर्वेद के वैश्विक विस्तार के लिए अहम साबित हो रहे हैं। उन्होंने ब्राजील में कई वर्षों से आयुर्वेद को आगे बढ़ाने में जुटे विशेषज्ञों की भी सराहना की। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक ज्योति किरण शुक्ला ने कहा कि भारत और ब्राजील की वेलनेस परंपराओं में समानता है और दोनों देश मिलकर इस क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर व्याख्यान और चर्चा हुईं। विशेषज्ञों ने आयुर्वेद की वैज्ञानिक संभावनाओं, प्रशिक्षण, और इसके स्थानीय स्तर पर बढ़ते उपयोग पर अपने विचार रखे। मंत्रालय ने बताया कि ब्राजील ने अब आयुर्वेद को अपनी आधिकारिक नौकरी श्रेणी सूची में शामिल कर लिया है, जिसे वहाँ इस पद्धति के विस्तार के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र और ब्राजील के राष्ट्रीय आयुर्वेद आत्म-नियमन परिषद (कोनयुर) की ओर से 14 और 15 नवंबर को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विशेषज्ञ, शोधकर्ता और विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन ब्राजील में आयुर्वेद के अगले 40 वर्षों की संभावनाओं और चुनौतियों पर गोलमेज चर्चा के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश में काकद्वीप के मछुआरे की मौत, परिवार ने जेल में यातना देने का आरोप जड़ा

दक्षिण 24 परगना (पश्चिम बंगाल)। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय जलसीमा पार करने के आरोप में बांग्लादेश की जेल में बंद काकद्वीप के मछुआरे बाबुल दास उर्फ बोबा की मौत हो गई। यह सूचना शनिवार को उनके परिजनों को प्राप्त हुई। परिवार ने आरोप लगाया है कि जेल में उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। इस कारण उनकी मृत्यु हुई। हालांकि बांग्लादेश हाई कमीशन ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया है कि उनकी मृत्यु हृदयाघात से हुई है। बताया गया है कि इस साल 13 जुलाई को दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप से 'एफबी मंगलचंडी-38' और 'एफबी झड़' नामक दो ट्रॉलर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने निकले थे। इस दौरान दोनों ट्रॉलर बांग्लादेश की जलसीमा में प्रवेश कर गए, जिसके चलते बांग्लादेश नौसेना ने 34 भारतीय मछुआरों सहित उन्हें गिरफ्तार कर मोंगला पोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। 15 जुलाई को बागेरहाट अदालत ने सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मालगाड़ी का पहिया पटरी से उतरा, टला बड़ा हादसा

भागलपुर। जिले के पीरपैंती रेलवे स्टेशन से महज 50 मीटर की दूरी पर रविवार एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब प्लेटफॉर्म संख्या 2 से मालगोदाम की ओर जा रही गिट्टी लदी मालगाड़ी की एक बॉगी का दो पहिया अचानक पटरी से उतर गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों और स्थानीय लोगों की सूचना पर रेलवे की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी मिर्जाचौकी से निकलकर कहलगांव की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्रेन ओवरब्रिज के पास पहुंची, एक बॉगी का पहिया ट्रैक से नीचे उतर गया। दुर्घटना के कारण कुछ देर तक रेल संचालन प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची तकनीकी टीम ने ट्रैक की जांच की और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बोगी के पहिये को दोबारा पटरी पर चढ़ाया गया। इसके बाद ट्रैक को सुरक्षित घोषित किया गया। घटना के कारणों को लेकर रेलवे अधिकारी स्पष्ट रूप से कुछ भी बोलने से बचते रहे। मालदा मुख्यालय को हादसे की सूचना दे दी गई है और मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। वहीं स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार से कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने न कॉल रिसीव किया और न ही किसी प्रकार की जानकारी देने के लिए प्रतिक्रिया दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैक की नियमित जांच और रखरखाव में लापरवाही ऐसी घटनाओं का कारण बन सकती है। हालांकि रेलवे ने मामले की तकनीकी जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय करने की बात कही है।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट और गाइड सारण के 54 सदस्यीय टीम का चयन

पटना। 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट और गाइड सारण के 54 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। जिले के 9 विद्यालयों के 54 स्काउट और गाइड 19 वी राष्ट्रीय जंबूरी में सारण का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित स्काउट एवं गाइड में सेंट्रल पब्लिक स्कूल छपरा, एसएसजी पब्लिक स्कूल मशरक, जिला स्कूल (नवस्थापित), अब्दुल कयूम अंसारी उच्च विद्यालय, उच्च विद्यालय रसलपुरा, उच्च विद्यालय जलालपुर, एमडी उच्च विद्यालय कन्हौली, उच्च माध्यमिक विद्यालय पैगंबरपुर तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुरा के स्काउट और गाइड शामिल हैं। मौके पर उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह, जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) अरूण परासर, कोषाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज, स्काउट मास्टर प्रमोद कुमार सिंह तथा जिला प्रशिक्षक प्रणव उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह ने कहा कि सारण जिले की यह टीम हमारे स्काउटिंग कार्यक्रम की शक्ति और गुणवत्ता को दर्शाती है।

भारत आर्थिक रूप से सुदृढ़, जलवायु अनुकूल नजरिए से विकास पथ को आकार दे रहाः यूएनडीपी अधिकारी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत ने दिखाया है कि आर्थिक वृद्धि और सामाजिक समावेशन एक साथ संभव हैं तथा वह अपनी सफलता की कहानियों से ऐसे उदाहरण पेश कर रहा है जो अधिक न्यायसंगत दुनिया के निर्माण में सहायक हैं। यूएनडीपी के कार्यवाहक प्रशासक हाओलियांग शू ने कहा कि भारत की विकास की गाथा केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है बल्कि यह प्रौद्योगिकी एवं सहभागी शासन के इस्तेमाल से यह सुनिश्चित करने की भी कहानी है कि विकास के उद्देश्य प्राप्त हों और कोई भी पीछे न छूटे। शू ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता विकास और निरंतरता के बीच संतुलन बनाने का एक खाका प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे "विकास पथ" तैयार कर रहा है जो आर्थिक रूप से सुदृढ़ और जलवायु के अनुकूल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव और यूएनडीपी के कार्यकारी प्रशासक शू डिजिटल परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर भारत आए हैं। शू ने वैश्विक चुनौतियों के बारे में कहा कि यूएनडीपी के हालिया मानव विकास सूचकांक से पता चलता है कि मानव विकास में वैश्विक प्रगति 35 वर्षों के निम्नतम स्तर पर आ गई है तथा पिछले दो वर्ष से यह लगभग स्थिर बनी हुई है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और गरीबी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भी भारत के विकास मॉडल की सराहना की। उन्होंने कहा, "न्यायसंगत बदलाव, जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति देश की प्रतिबद्धता विकास और निरंतरता के बीच संतुलन बनाने का एक खाका प्रस्तुत करती है।" शू ने 'ईमेल' के जरिए दिए साक्षात्कार में कहा, "हम विकास के उद्देश्यों, विकास के लिए सभी स्रोतों से वित्तपोषण और प्रभावी, जवाबदेह एवं समावेशी संस्थागत क्षमता को और भी बेहतर ढंग से संरेखित करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।"

यूएनडीपी प्रमुख ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लोगों में, विशेषकर ऐतिहासिक रूप से पिछड़े लोगों में किए गए सोझे-समझे निवेश के साथ तीव्र विकास करना संभव है। उन्होंने कहा, " 'ग्लोबल साउथ' की अग्रणी आवाज के रूप में भारत दक्षिण-दक्षिण सहयोग के माध्यम से स्थानीय सफलता की कहानियों को वैश्विक सबक में बदलने में मदद कर रहा है। वह न केवल अपने उपकरणों और प्रौद्योगिकी को साझा कर रहा है, बल्कि उन तरीकों को भी साझा कर रहा है जो उन्हें कारगर बनाते हैं।" 'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में हैं। शू ने विशेष रूप से मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और आयुष्मान भारत जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें आजीविका सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि 'जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी' और यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) जैसे भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन मंचों ने करोड़ों लोगों के लिए पारदर्शी एवं प्रत्यक्ष लाभ वितरण सक्षम बनाया है तथा इससे ऐसे उदाहरण स्थापित हुए हैं जिनका अध्ययन अब कई देश कर रहे हैं। जेएएम एक ऐसी पहल है जो सरकार से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) को सक्षम करने के लिए लाभार्थी के बैंक खाते (जन धन), बायोमेट्रिक पहचान (आधार) और मोबाइल नंबर को जोड़ती है। शू ने कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम जैसी पहल यह दर्शाती है कि किस प्रकार डेटा, साक्ष्य एवं सामुदायिक भागीदारी क्षेत्रीय अंतर को कम कर सकती है और विकास को अधिक न्यायसंगत बना सकती है। यूएनडीपी के कार्यकारी प्रशासक ने कहा कि भारत का "हरित रोजगार और जलवायु के अनुकूल आजीविका" पर बढ़ता ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर समुदाय-आधारित संरक्षण तक आर्थिक अवसर को पर्यावरणीय प्रबंधन और सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है। उन्होंने कहा, "विकास का अगला चरण गुणवत्तापूर्ण नौकरियों, लैंगिक समानता और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलेपन का और विस्तार कर सकता है ताकि विकास समावेशी और सतत बना रहे।"

शू ने कहा, "भारत की कहानी केवल विकास के बारे में नहीं है बल्कि यह प्रौद्योगिकी, साक्ष्य एवं सहभागी शासन के उपयोग के बारे में भी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकास के उद्देश्य प्राप्त हों और कोई भी पीछे न छूटे।" उन्होंने कहा, "ये सबक एक अधिक समतापूर्ण और सतत दुनिया को आकार दे रहे हैं। दक्षिण-दक्षिण सहयोग के माध्यम से यूएनडीपी को भारत का साझेदार बनकर खुशी हो रही है और वह इन सीख को दुनिया के अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करेगा।" शू ने भारत के यूपीआई और कोविन (कोविड वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क) की भी सराहना की। यूएनडीपी के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत के डिजिटल मंच अद्वितीय हैं क्योंकि वे मुक्त एवं सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे पर काम करते हैं। शू ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयास किए जाने का भी आह्वान किया।

बिहार में जदयू ने जारी किया नया पोस्टर 'बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार'

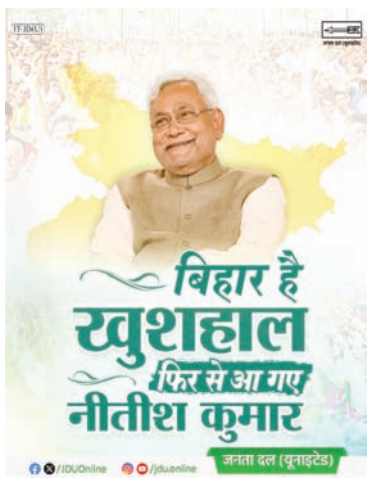

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव -2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद अब सरकार बनने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बीच आज जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक ऐसा पोस्टर जारी किया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। जदयू के इस पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बड़ी तस्वीर के साथ लिखा है ₹ बिहार है खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार₹। कैप्शन में पार्टी ने टिप्पणी की ₹खुशहाल है बिहार... सुरक्षित है बिहार।₹ खास बात यह है कि यह पोस्टर ऐसे समय में जारी किया गया है, जब बिहार की राजनीति में सत्ता संतुलन और मुख्यमंत्री पद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। राजग में सबसे ज्यादा सीटें भाजपा के पास हैं, जबकि जदयू दूसरे नंबर पर है, बावजूद इसके जदयू लगातार नीतीश कुमार को सुशासन का चेहरा और सर्वमान्य नेता बताती रही है। इसलिए इस पोस्टर को पार्टी का एक अप्रत्यक्ष दावा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह पोस्टर जदयू की ओर से जनता और गठबंधन को यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी नीतीश कुमार के विकल्प पर विचार करने के मूड में नहीं है। पोस्टर देखने के बाद राजनीतिक विश्लेषकों और जनता के बीच यह सवाल भी उठने लगा कि क्या इसके माध्यम से जदयू यह संकेत दे रही है कि नीतीश कुमार ही एक बार फिर मुख्यमंत्री पद संभालेंगे? दरअसल, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से अबतक आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की गई है। गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (लोजपा-आर), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के शीर्ष नेताओं की बैठक जल्द होने वाली है, जिसमें नेतृत्व पर अंतिम फैसला लिया जाएगा, लेकिन जदयू के इस पोस्टर ने औपचारिक निर्णय से पहले ही चर्चाओं का दरवाजा खोल दिया है।

पूर्वी कमान के सेना नायक ने अरुणाचल प्रदेश की उत्तरी सीमाओं का दौरा किया

कोलकाता। पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल रामचंदर तिवारी ने अरुणाचल प्रदेश की उत्तरी सीमाओं का दौरा किया। उन्होंने स्पीयर कोर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर ऑपरेशनल तैयारियों, आंतरिक सुरक्षा की स्थिति और जारी समेकित प्रशिक्षण गतिविधियों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरे ने संवेदनशील पूर्वी मोर्चे पर तैनात जवानों की उच्च स्तरीय तैयारी और पेशेवर क्षमता को पुनः स्थापित किया।

सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग ने रविवार सुबह जारी बयान में कहा कि दौरे के दौरान सेनानायक को नवीनतम सामरिक प्रगति तथा भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के बीच निर्बाध समन्वय की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने आधुनिक हथियार प्रणालियों, निगरानी संसाधनों और प्रौद्योगिकी आधारित परिचालन साधनों के प्रभावी उपयोग को दर्शाने वाले संयुक्त प्रशिक्षण मॉड्यूल का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों ने युद्धाभ्यास और विशेषीकृत प्रशिक्षण के दौरान उत्साह, अनुशासन और रणनीतिक दक्षता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों ने विविध भौगोलिक परिस्थितियों में संचालन की उनकी क्षमता तथा उभरती सुरक्षा चुनौतियों का त्वरित जवाब देने की उनकी तत्परता को रेखांकित किया। लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने जवानों के मनोबल, समर्पण और प्रशिक्षण स्तर की सराहना करते हुए निरंतर कौशल वृद्धि, संयुक्तता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि परिचालन मोर्चे को मजबूत और सक्षम बनाए रखा जा सके। बयान के अनुसार,यह दौरा पूर्वी कमान की सीमाओं पर सुरक्षा, स्थिरता और तत्परता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी क्रम में युवाओं को समर्पित एक पहल के तहत सेना नायक ने 'सियोम टेल्स' नामक यूट्यूब चैनल भी लॉन्च किया, जो सामाजिक मूल्यों और देशभक्ति पर केंद्रित है।

उपराज्यपाल ने की अखिल भारतीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की सराहना

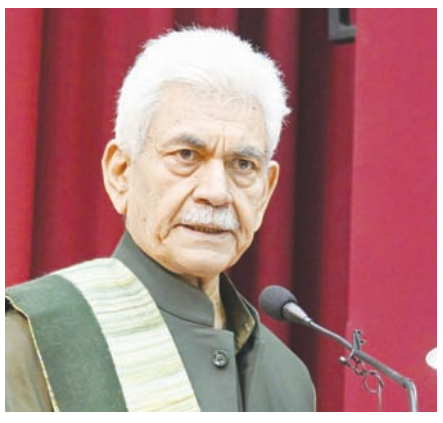

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक अखिल भारतीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक बड़ी सफलता हासिल की है जिससे देश भर में कई सुनियोजित हमलों को रोका जा सका है। यहाँ एक समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि हाल ही में लाल किला विस्फोट से जुड़े मॉड्यूल का जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा समय पर मिली खुफिया जानकारी और समन्वित कार्रवाई के कारण सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया गया।

उन्होंने नौगाम पुलिस स्टेशन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर भी गहरा दुख व्यक्त किया जहाँ गिरफ्तार आतंकवादियों से बरामद विस्फोटक सामग्री की फोरेंसिक जाँच के दौरान एक आकस्मिक विस्फोट हुआ। अधिकारियों की एक टीम लाल किला विस्फोट में शामिल आतंकवादियों से जब्त विस्फोटकों के नमूने एकत्र कर रही थी। दुख की बात है कि हमने जम्मू-कश्मीर पुलिस के बहादुर जवानों और अधिकारियों को खो दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि मैं शोक संतप्त परिवारों के साथ अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ । एलजी सिन्हा ने ज़ोर देकर कहा कि विस्फोट में कोई आतंकी पहलू या बाहरी हस्तक्षेप नहीं था और यह पूरी तरह से आकस्मिक था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस के समर्पण और पेशेवर रवैये की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी त्वरित कार्रवाई ने देश भर में आतंकी हमलों को रोककर अनगिनत लोगों की जान बचाई है।

उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों ने नौगाम घटना की विस्तृत जाँच शुरू कर दी है और घायलों और शहीदों के परिवारों को सहायता प्रदान की जा रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार रात लगभग 11:20 बजे नौगाम पुलिस स्टेशन में एक आकस्मिक विस्फोट हुआ जब एक विशेष टीम एक चल रहे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जाँच के सिलसिले में जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े और अस्थिर जखीरे से नमूने निकाल रही थी। इस विस्फोट में नौ लोग मारे गए जिनमें छह पुलिसकर्मी शामिल राज्य जाँच एजेंसी के इंस्पेक्टर इसरार अहमद शाह, चयन ग्रेड कांस्टेबल जावेद मंसूर राथर और अर्शीद अहमद शाह (दोनों क्राइम ब्रांच के फोटोग्राफर), चयन ग्रेड कांस्टेबल ऐजाज़ अफ़ज़ल मीर और कांस्टेबल मोहम्मद अमीन मीर और शौकत अहमद भट (तीनों फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी में कार्यरत)। नायब तहसीलदार मुजफ्फर अहमद खान इलाके के चौकीदार सुहैल अहमद राथर और एक दर्जी मोहम्मद शफी पर्रे।

वीरांगना ऊदा देवी का राष्ट्र प्रेम अनंतकाल तक भारत के हर नागरिक को प्रेरणा देता रहेगा: राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि वीरांगना ऊदा देवी का राष्ट्र प्रेम अनंतकाल तक भारत के हर नागरिक को प्रेरणा देता रहेगा। राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण और स्वाभिमान समारोह का उद्घाटन करने के बाद बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि वीरांगना ऊदा देवी का राष्ट्र प्रेम अनंतकाल तक भारत के हर नागरिक को प्रेरणा देता रहेगा। ऊदा देवी के शौर्य और बलिदान को स्मरण करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, "भारत की नारी शक्ति स्वदेश और स्वधर्म की रक्षा के लिए कभी भी किसी से पीछे नहीं रहीं। आज सैनिक स्कूल के दरवाजे भी लड़कियों के लिए खोल दिए गए हैं।"

उन्होंने कहा, "भारतीय महिलाएं सियाचिन से लेकर समंदर की गहराइयों तक देश की सुरक्षा चक्र को और अधिक मजबूत कर रही हैं।" ऑपरेशन सिंदूर की याद दिलाते हुए सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। उन्होंने कहा कि ऊदा देवी को एक नेतृत्व के रूप में याद किया जाना चाहिए जिन्होंने दलित महिलाओं को अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट किया। उन्होंने कहा, ''मैं निसंकोच कह सकता हूं कि भारत की आन-बान-शान के लिए हर बेटी ऊदा देवी बन सकती है।''

राजनाथ सिंह ने ऊदा देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अपने पति के शहीद होने के बाद उनकी (ऊदा देवी) हिम्मत टूटी नहीं बल्कि उनके अंदर और ताकत पैदा हुई और प्रतिज्ञा ली कि अपने पति की शहादत का बदला लेकर रहेंगी और उन्होंने वह बदला लिया। सिंह ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने अप्रतिम साहस से न केवल अंग्रेजों की सेना को धूल चटाई, बल्कि राष्ट्र प्रेम का ऐसा मानक तैयार किया जो भारत के हर नागरिक को अनंतकाल तक प्रेरणा देता रहेगा। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, ''ऊदा देवी ने अकेले ही 36 ब्रिटिश सैनिकों को मार दिया। इतना ही नहीं, जब कोई भारत की ओर आंख उठाकर देखेगा तो भारत की बेटी उसका डटकर मुकाबला कर सकती है, यह प्रेरणा भी वीरांगना ऊदा देवी पासी ने दी।'' सिंह ने उनके पराक्रम की कहानी सुनाते हुए कहा कि जब अंग्रेज की एक बटालियन से लड़ते हुए ऊदा देवी शहीद हुईं तो उनके मृत शरीर को देखकर ब्रिटिश अधिकारियों ने झुक कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया था। उन्होंने कहा कि उस समय के अंग्रेज अधिकारी ने अपना हैट उतारकर वीरांगना को सैल्यूट किया था, यह इतिहास के पन्नों में अंकित है। उन्होंने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने न केवल पासी समाज बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को उन पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दलित समाज से आयी वीरांगना ऊदा देवी ने लखनऊ में अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा, ''दलित समाज से आने वाले एक और महान व्यक्ति बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का हमारे लखनऊ से एक खास रिश्ता रहा है। बाबा साहब के लिए गुरु समान भदंत प्रज्ञानंद लखनऊ में रहते थे, लखनऊ को बाबा साहब की स्नेह भूमि के रूप में जानते हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, "आज ऊदा देवी को उनके मातृभूमि के समर्पण के लिए याद करते हैं, लेकिन उनकी गौरव गाथा को दो और वजहों से याद किया जाना चाहिए। पहली ऊदा देवी की कहानी हमें आत्मसम्मान सिखाती और हमारे अंदर स्वाभिमान की भावना पैदा करती है।'' सिंह ने कहा, ''1857 की क्रांति के इतिहास में ऊदा देवी पासी ने न केवल अंग्रेजों को चुनौती दी बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था को भी चुनौती दी जिसने उनके समाज को सदियों तक हाशिए पर रखा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि देशभक्ति या वीरता किसी जाति वर्ग या सीमा में नहीं बांटी जा सकती है। लखनऊ की लड़ाई में उन्होंने दिखाया कि स्वतंत्रता की ज्वाला हर हृदय में प्रज्ज्वलित हो सकती है। वह समाज की सबसे उपेक्षित ही क्यों न हो, उसके हृदय में भी देश भक्ति की ज्वाला प्रज्ज्वलित रहती है।''

रक्षा मंत्री ने दूसरा संदर्भ सुनाते हुए कहा कि देशभक्ति की लड़ाई में महिलाओं की भूमिका को ऊदा देवी ने रोशन किया। सिंह ने कहा कि वह हमें याद दिलाती हैं कि यदि महिलाएं बंदूक का उपयोग कर सकती हैं तो युद्ध में लड़ सकती हैं, ब्रिटिश सैनिकों को मार सकती हैं तो वह किसी भी मामले में पुरुषों से कम नहीं हैं। राजनाथ सिंह ने भव्य आयोजन के लिए विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान की सराहना की और कहा कि हर वर्ष इस तरह का एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केन्द्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान और कार्यक्रम के आयोजक विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान ने भी समारोह को संबोधित किया।

वीरांगना ऊदा देवी हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर देने वाली शहीद ऊदा देवी को नमन करते हुए रविवार को कहा कि वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं।

योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ रविवार को यहां सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण और स्वाभिमान समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''नारी और वंचित का सम्मान 'डबल इंजन' सरकार का मुख्य ध्येय है और वीरांगना ऊदा देवी हमें याद दिलाती हैं कि नारी शक्ति कितनी सामर्थ्यवान है।'' उन्होंने कहा, ''वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। इसलिए इस अवसर पर मैं उनकी स्मृतियों को नमन करता हूं। उन्होंने विदेशी हुकूमत की चूलों को हिलाने और अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को उन्होंने 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर कर दिया। उनका नाम भारत के इतिहास में अमर हो गया।'' योगी ने कहा कि ''वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हमें यह प्रेरणा देता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ''प्रदेश सरकार ने भारत माता के हर सपूत को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। अगर आप बेसिक शिक्षा परिषद की पुस्तकों को देखें तो एक अतिरिक्त पुस्तक जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर पर उपलब्ध कराई गई है, ताकि वर्तमान पीढ़ी अपने इतिहास को जान सके।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारी सरकार ने तीन नई पीएसी की महिला बटालियन गठित की और तीनों को 1857 की महान वीरांगनाओं के नाम पर रखा।'' योगी ने कहा, ''लखनऊ में स्थापित बटालियन का नाम वीरांगना ऊदा देवी के नाम पर ही रखा गया है। वहां पर हमारी सरकार उनके आदमकद प्रतिमा की स्थापना का कार्य कर रही है। गोरखपुर में जो महिला बटालियन गठित हो रही है, उसको वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर और बदायूं में जो बटालियन गठित हो रही है उसे वीरांगना अवंती बाई लोधी के नाम पर रखा गया है।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''इन वीरांगनाओं ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के सामने अपने शौर्य से उन्हें धूल चटाने का कार्य किया। क्रांति की हुंकार भरने के कारण विदेशी हुकूमत ने उन्हें समाज की मुख्यधारा से काटने के लिए अलग-थलग कर दिया। परिणाम यह हुआ कि समाज की मुख्यधारा से कटी कोई भी जाति पिछड़ जाती है और यही स्थिति पासी समाज और अनुसूचित समाज के साथ हुआ। आज 'डबल इंजन' की सरकार इस दिशा में बेहतर पहल कर रही है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''लखनऊ में हमारी सरकार के द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर का एक स्मारक और सांस्कृतिक केन्द्र के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जिसमें अनुसूचित जाति से जुड़े हुए छात्रों को शोध करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था करने जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि ''62 जिलों में 109 सर्वोदय विद्यालय की स्थापना का कार्य या संपन्न हो चुका है या कार्य मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यहां आश्रम पद्धति के अनुरूप छात्र-छात्राओं को रहने की व्यवस्था है। 18 आवासीय विद्यालय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए मंडल मुख्यालयों पर निर्माण किया गया है।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दो लाख 19 हजार पुलिसकर्मी की भर्ती आठ वर्ष में की और अनिवार्य रूप से 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती अनिवार्य की।

होमगार्ड की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

एटा। जिले के बागवाला थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ड्यूटी पर जा रहे एक होमगार्ड की रविवार तड़के मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार होमगार्ड की पहचान रामपुर निवासी राम सेवक (57) के रूप में हुई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना बागवाला थाना क्षेत्र के हिम्मतपुर गांव के पास नहर पटरी की बताई गई है। परिजनों के अनुसार रामसेवक रोज की तरह ड्यूटी के लिए कोतवाली नगर जा रहे थे, तभी रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल रामसेवक को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) राजेश सिंह ने बताया पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुटी है। सीओ ने बताया कि घटना की जांच की रही है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए भी छानबीन की जा रही है।

सांड के हमले में घर के सामने बैठे वृद्ध की मौत

कौशांबी। जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह घर के सामने बैठे एक वृद्ध किसान पर आवारा सांड ने हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घायल किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मंझनपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शिवांक सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के जुबरा गांव निवासी चंद्रशेखर पांडेय (80) आज सुबह अपने घर के बाहर बैठे थे, तभी एक आवारा सांड ने उन पर हमला कर दिया। सीओ ने बताया कि सांड के हमले में वृद्ध को गंभीर चोटें आईं और आसपास के ग्रामीणों ने उन्हें सांड के चंगुल से बचाया। परिजन उन्हें नजदीक के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अमर ज्योति फाइनेंस ठगी: निदेशक और भांजा फरार, निवेशकों का कोतवाली में हंगामा

बरेली। अमर ज्योति फाइनेंस कंपनी के करोड़ों रुपये की ठगी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कंपनी के निदेशक सूर्यकांत मौर्य और शशिकांत मौर्य के साथ उनका भांजा अनूप मौर्य भी फरार हो गया है। तीनों के गायब होने के बाद निवेशकों का सब्र टूट गया और रविवार सुबह भारी संख्या में कोतवाली पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। अमर ज्योति फाइनेंस की सह कंपनी अमर ज्योति रुहेलखंड निधि लिमिटेड के निदेशक सूर्यकांत और शशिकांत मौर्य कटरा चांद खां के रहने वाले हैं, जबकि अनूप मौर्य बाग ब्रिगटान क्षेत्र का निवासी है।

अनूप ने ही इलाके के कई लोगों को ऊंचे ब्याज और सुरक्षित निवेश का झांसा देकर लाखों रुपये कंपनी में जमा कराए थे। उधर, कंपनी के ऑफिस पर ताले लटक रहे हैं और तीनों आरोपित फरार हैं। रविवार को अपनी जमा पूंजी डूबने से परेशान निवेशक पहले अनूप के घर पहुंचे, लेकिन परिजनों ने उल्टा उन्हें धमकाया। इससे आक्रोशित लोग सीधे कोतवाली जा पहुंचे। कृष्णा मौर्य सहित कई पीड़ितों ने कोतवाल सुरेश चंद्र गौतम को तहरीर देकर आरोप लगाया कि निदेशक और उनका भांजा अनूप मिलकर लोगों की मेहनत की कमाई लेकर गायब हो गए हैं।

पीड़ित महिलाओं ने भी धमकाए जाने की शिकायत की। कोतवाल ने पीड़ितों को आश्वासन दिया कि मामला बेहद गंभीर है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी। कंपनी के बंद दफ्तर और आरोपितों के फरार होने से ठगी की आशंका और गहराती जा रही है। निवेशक अब पुलिस से अपनी रकम की सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए हैं।

दिशा पाटनी के पिता को बरेली में शस्त्र लाइसेंस दिया गया

बरेली। बरेली की रहने वाली अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी को जिला प्रशासन ने शस्त्र लाइसेंस जारी कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। दिशा पाटनी के बरेली स्थित पैतृक आवास पर एक आपराधिक गिरोह द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जगदीश पाटनी बरेली के जिलाधिकारी से मिले थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जगदीश पाटनी को सुरक्षा का आश्वासन दिया था। बरेली के जिलाधिकारी (डीएम) अवनीश सिंह ने बताया कि पाटनी ने अपने आवास पर हमले के बाद शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन किया था और सभी औपचारिकताएं पूरी किए जाने के बाद उन्हें रिवॉल्वर/पिस्तौल का लाइसेंस दे दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि 12 सितंबर 2025 को मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात हमलावरों ने पाटनी के घर के बाहर लगभग 10 गोलियां चलाई थीं। इस संबंध में कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया और 17 सितंबर को गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), हरियाणा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में रवींद्र और अरुण नाम के दो संदिग्ध मारे गए थे। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने पुष्टि की कि जगदीश पाटनी के आवास पर सुरक्षा बरकरार रहेगी।

सोनभद्र खदान हादसा: एक मजदूर का शव बरामद, राहत-बचाव कार्य जारी

सोनभद्र। जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के एक खनन क्षेत्र में शनिवार शाम को खदान धंसने की घटना के बाद एक मजदूर का शव बरामद किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस बीच ओबरा पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया ने बताया कि बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में पहाड़ी से गिरे मलबे को हटाने का कार्य शनिवार रात से ही लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम पनारी (सोनभद्र) निवासी राजू सिंह (30) के रूप में हुई है। एडीजी ने बताया कि चूंकि पहाड़ी से गिरे पत्थर काफी बड़े हैं, इसलिए सावधानीपूर्वक कार्य किया जा रहा है और इसके कारण राहत कार्य में भी समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध हैं तथा पूरा प्रशासन राहत कार्य में जुटा है।

सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने बताया कि शनिवार को शाम साढ़े चार बजे ओबरा थाने को सूचना मिली कि बिल्ली मारकुंडी स्थित 'कृष्णा माइनिंग वर्क्स' के खदान में पहाड़ी का एक भाग दरकने से कई मजदूर पत्थर/मलबे में दब गए हैं। उन्होंने कहा कि ओबरा पुलिस कथित दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध पीड़ित परिवारों से शिकायत लेकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम के गठन का प्रयास कर रही है। इससे पहले शनिवार शाम को जिलाधिकारी बीएन सिंह ने बताया कि कृष्णा माइंस में एक हिस्सा ढह जाने से वहां कार्यरत कुछ मजदूर मलबे में दब गए हैं। उन्होंने कहा कि मशीनों की मदद से मलबा हटाकर दबे हुए लोगों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम भी बचाव कार्य में जुटी है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मलबे में कितने लोग दबे हैं इसकी सटीक संख्या का फिलहाल पता नहीं लग सका है। इस बीच, अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा करने के बाद उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री और स्थानीय विधायक संजीव कुमार गोंड ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद लोगों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ढही हुई पत्थर की खदान के मलबे में ''करीब 12 मजदूरों'' के दबे होने की आशंका है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि फंसे हुए मजदूरों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है।

मर्डर का खुलासा: महिला की हत्या कर सड़क पर शव फेंकने वाला दरोगा गिरफ्तार

हमीरपुर। जिले के मौदहा कोतवाली क्षेत्र के रमना गांव के पास सड़क किनारे हत्या कर फेंकी गई महिला के शव की शिनाख्त के बाद आज रविवार को घटना का खुलासा कर पुलिस ने आरोपित दरोगा अंकित यादव को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त कार व लोहे की रॉड भी बरामद कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि हमीरपुर जिले के मौदहा कोतवाली क्षेत्र में रमना गांव के पास सड़क किनारे तीन दिन पहले 13 नवंबर को एक महिला का नग्न शव मिला था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू की। मृतका किरन के भाई ने शव की शिनाख्त कर महोबा पुलिस लाइन में तैनात एक दरोगा पर हत्या करने का आरोप लगाए था। एसपी डॉ.दीक्षा शर्मा ने रविवार को बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले गए। जिसमें एक डिजायर कार का मूवमेंट देखा गया। पुलिस की टीम जांच कर कार मालिक तक पहुंची। कार मालिक के बयान के बाद हत्या की घटना अंजाम देने वाले दरोगा अंकित यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपित दरोगा जब कबरई थाने में तैनात था तब मृतका किरन के मुकदमे में विवेचक था।

पुलिस पूछताछ में आरोपित दरोगा अंकित यादव ने बताया कि वह मृतका से मानसिक रूप से परेशान थी। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे की राड व कार बरामद कर ली है। बता दे कि महोबा जिले के कबरई थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती की शादी 22 फरवरी 2023 को हमीरपुर जिले के ललपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव में सीआरपीएफ जवान के साथ हुई थी। शादी के बाद ससुराली जनों के उत्पीड़न से परेशान होकर युवती आपने मायके चली गई थी। उसने कबरई थाने में दहेज उत्पीड़न का मामला भी दर्ज कराया था। इस मुकदमे की विवेचना दरोगा अंकित यादव ने की थी। कई बार किरन को दरोगा ने बुलाया था और घटना के दिन 12 नवंबर को महिला किरन को घूमने के लिए बुलाया था और विवाद में राड से हमला कर हत्या कर दी थी।

पूछताछ के नाम पर मां बेटी को परेशान करने वाला इंस्पेक्टर बर्खास्त

कानपुर। चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे के करीबी और सस्पेंड चल रहे इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी को शासन की ओर से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक महिला और उसकी बेटी को ग़लत तरीके से हिरासत में रखते हुए प्रताड़ित किया था। इसी से परेशान होकर महिला ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके चलते उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।

संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय, विनोद कुमार सिंह ने बताया कि निलम्बित इंस्पेक्टर आशीष को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उस पर अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन न करने का आरोप था, जो विभागीय जांच में सही पाया गया। इस घटना में शामिल रहे एसआई पर कार्रवाई चल रही है। उल्लेखनीय है कि, कानपुर में एनआरआई सिटी के रहने वाले कारोबारी के घर से 17 अप्रैल 2022 को चोरी हो गयी थी। उस समय नवाबगंज के थाना प्रभारी आशीष द्विवेदी और चौकी इंचार्ज रानू रमेश चंद्र थे। इन लोगों ने कारोबारी के यहां काम करने वाली किशोरी और उसकी मां को पूछताछ के लिए उठाया था।

मां-बेटी को पूछताछ के बाद रात करीब दो बजे वन स्टॉप सेंटर ले गए। वहां दूसरे दिन महिला ने बाथरूम में फंदा लगाकर जान दे दी। विभागीय जांच में आशीष और रानू रमेश चंद्र दोषी पाए गए। इस पर आशीष और रानू रमेश को बर्खास्तगी का नोटिस दिया गया था। आशीष की ओर से जवाब नहीं आने पर उसे बर्खास्त कर दिया गया।

भारत की संस्कृति का मतलब साथ-साथ चलना : सुनील आंबेकर

वाराणसी। भारत में हर भाषा के लोग साथ रहते हैं। जब रिश्ता होता है तो एक दूसरे की चिंता हो जाती है। इसी से संस्कृति बनती है, जिससे हमारा देश बनता है। भारत की संस्कृति का मतलब साथ-साथ चलना होता है। आजकल छोटी-छोटी बातों में परिवार बिगड़ जाता है। इसके लिए संवाद जरूरी है।

संवाद होना यह भी संस्कृति का हिस्सा है। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कही। वे रविवार को उत्तर प्रदेश के काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग और विश्व संवाद केंद्र (काशी) की ओर से स्वतंत्रता भवन में आयोजित काशी शब्दोत्सव 2025 के तहत 'विश्व कल्याणः भारतीय संस्कृति' विषयक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्य वक्ता सुनील आंबेकर ने कहा कि भारत देश की पूरी

सांस्कृतिक धारा को मोड़ने का प्रयास हो रहा था, तभी पंडित मदन मोहन मालवीय ने काशी का चयन कर लोगों से सहयोग लेकर ज्ञान में आधुनिकता को जोड़कर काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की और जिस सरस्वती को लुप्त करने की कोशिश थी, उसे आज तक जीवित रखा गया।

उन्होंने कहा कि ड्राइविंग सीट पर आधुनिक बाजार होंगे या फिर अपनी संस्कृति, इसे हम और आपको तय करना होगा। उन्होंने कहा कि आज एआई के जमाने में भी हमारे भारत के योग को दुनिया ने ले लिया है। पिछले कुछ दशकों से विश्व भर में जो घटित हो रहा था, उसमें भारत कहीं पर नहीं था। अब परिवर्तन हुआ है। तकनीक से जो शक्ति का अर्जन होता है, यही से सोचना होता है कि शक्ति का हमें क्या उपयोग करना है।

शक्ति का सही दिशा में उपयोग होगा तो बेहतर परिणाम सामने होगा। जब हम विकास के रास्ते पर जा रहे हैं, देश तीसरी अर्थ व्यवस्था बन गया है तो हमें अपना एक मापदंड तय करना होगा। सुनील आंबेकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शुद्ध चरित्र होना जरूरी है।

अपने ही स्पिन चक्रव्यूह में फंसा भारत, भारतीय धरती पर द. अफ्रीका की 15 साल में पहली जीत

कोलकाता। कप्तान तेम्बा बावुमा के जुझारू अर्धशतक के बाद अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की ईडन गार्डस की खतरनाक पिच पर बलखाती गेंदों के जादू से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में तीसरे दिन ही रविवार को यहां 30 रन से हराकर भारतीय धरती पर 15 साल में अपनी पहली जीत दर्ज की। भारत के सामने 124 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम 35 ओवर में 93 रन पर आउट हो गई। इससे दक्षिण अफ्रीका ने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। गिल की अनुपस्थिति में केवल वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 31 रन) ही कुछ देर तक संघर्ष कर पाए।

बाकी बल्लेबाजों को स्पिनरों के लिए अनुकूल विकेट से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई जिससे एक बार फिर से भारतीय टीम की टर्निंग पिचों पर कलई खुल गई। पिछले छह टेस्ट मैचों में यह भारत की घरेलू मैदान पर चौथी हार थी, जिसमें पिछले साल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टर्निंग पिचों पर 0-3 से मिली हार भी शामिल है। कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने मैच के बाद कहा, ''हमें इस लक्ष्य का पीछा करना चाहिए था। दूसरी पारी में दबाव बढ़ता रहा।'' रिकॉर्ड की बात करें तो यह दूसरा न्यूनतम लक्ष्य है जिसको भारत हासिल करने में नाकाम रहा। इससे पहले वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 1997 में ब्रिजटाउन में 120 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया था। दक्षिण अफ्रीका अपने दूसरे न्यूनतम स्कोर का बचाव करने में सफल रहा। इसकी नींव तेज गेंदबाज मार्को यानसन (15 रन दे कर दो विकेट) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके रखी। हार्मर (21 रन देकर चार विकेट) ने मध्यक्रम झकझोरा जबकि केशव महाराज (37 रन देकर दो विकेट) ने बाकी काम पूरा किया।

इस बीच एडेन मार्क्रम ने वाशिंगटन का कीमती विकेट लिया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 153 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान बावुमा ने नाबाद 55 रन की आकर्षक पारी खेली जो इस टेस्ट मैच में किसी बल्लेबाज का एकमात्र अर्धशतक भी है। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने चार जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 159 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की बढ़त हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका हालांकि शानदार वापसी करने में सफल रहा और वह अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे मैच में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। जिस पिच पर बावुमा ने अपनी दमदार बल्लेबाजी का नमूना पेश किया, वहां भारतीय बल्लेबाज असफल रहे। यानसन ने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके उछाल हासिल की और भारत के दोनों सलामी बल्लेबाजों को लगातार ओवरों में आउट किया। आक्रामक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल केवल चार गेंद का सामना कर पाए और खाता खोले बिना पवेलियन लौटे।

यानसन ने अगले ओवर में राउंड द विकेट गेंदबाजी की और पहली गेंद पर ही केएल राहुल को आउट कर दिया। उनकी गेंद राहुल के दस्तानों को चूमती हुई विकेटकीपर के पास गई। वाशिंगटन ने छठे विकेट के रूप में आउट होने से पहले एक छोर संभाल कर रखा था। उनके अलावा भारतीय बल्लेबाजों में जडेजा (26 गेंद पर 18 रन) और अक्षर पटेल (17 गेंद पर 26 रन) ही कुछ योगदान दे पाए। जडेजा के आउट होने से भारत की हार तय हो गई। अक्षर ने दो छक्के लगाए लेकिन इसे हार का अंतर ही कम हो पाया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सुबह 63 रन की कुल बढ़त के साथ सात विकेट पर 93 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन बावुमा के आत्मविश्वास से भरे प्रयास और नौवें नंबर के बल्लेबाज कोर्बिन बॉश के 37 गेंदों पर 25 रन की बदौलत उसने बढ़त को 100 रन के पार पहुंचा दिया। इन दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी ने शुरुआती घंटे में भारत को निराश कर दिया। जब यह दोनों खेल रहे थे तब प्रति ओवर तीन से अधिक रन बन रहे थे।

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत का जसप्रीत बुमराह को अधिक खतरनाक क्लब हाउस छोर से नहीं उतारने का फैसला हैरानी भरा रहा। बुमराह ने पहली पारी में इसी छोर से गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए थे। लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जीत दिलाने के बाद अपना पहला टेस्ट खेल रहे बावुमा ने बुमराह की गेंद पर फाइन लेग पर चौके के साथ मैच का पहला अर्धशतक पूरा किया। बुमराह ने बॉश को बोल्ड करके भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने अपने एक ओवर में साइमन हार्मर (07) और केशव महाराज (00) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया।

ऐसा नहीं है कि पिच खेलने लायक नहीं थी,यह बिल्कुल वैसी ही थी जैसी हमने मांगी थी: गौतम गंभीर

कोलकाता। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को ईडन गार्डन्स की मुश्किल पिच का पुरजोर बचाव करते हुए कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जैसी उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरूआती टेस्ट से पहले चाहिए थी। भारतीय टीम जीत के लिए 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रनों पर आउट हो गयी और उसे 30 रन से हार का सामना करना पड़ा।

गंभीर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ऐसा नहीं है कि यह खेलने लायक नहीं थी। यह (पिच) बिल्कुल वैसी ही थी जैसी हमने मांगी थी और हमें यही मिला। यहां के क्यूरेटर (सुजन मुखर्जी) बहुत सहयोगी रहे। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा विकेट है जो आपकी मानसिक दृढ़ता का आकलन कर सकती है क्योंकि अच्छे डिफेंस के साथ खेलने वालों ने रन बनाए हैं।'' गंभीर ने अपनी बात को पुष्ट करने के लिए तेम्बा बावुमा (नाबाद 55) और वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 31 रन) का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ''यह बिल्कुल वैसी ही पिच है जैसी हमें चाहिए थी। इसमें कोई भी कमी नहीं थी। अक्षर, तेम्बा, वाशिंगटन ने रन बनाए। अगर आप कहते हैं कि यह टर्निंग विकेट है लेकिन तेज गेंदबाजों ने भी काफी विकेट लिये है।'' गंभीर ने यह भी तर्क दिया कि भारत ने टॉस के असर को कम करने के लिए इस तरह की खुरदरी पिच को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा, ''हम पहले दिन से ही स्पिनरों के लिए मददगार पिच की मांग करते हैं ताकि टॉस अहम नहीं हो जाए। अगर हम टेस्ट जीत जाते, तो पिच के बारे में इतना कुछ पूछना या चर्चा करना मुश्किल होता।

हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी परिस्थिति में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।'' चोटिल कप्तान शुभमन गिल की स्थिति पर अपडेट देते हुए गंभीर ने कहा, ''उनकी स्थिति का अभी आकलन किया जा रहा है। फिजियो आज फैसला लेंगे।''

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता, मुर्तजा को रजत

नई दिल्ली। धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।

'आप हमेशा आरसीबी से जुड़े रहेंगे', लियाम लिविंगस्टोन के नाम आरसीबी का विदाई नोट

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की नीलामी से पहले लियाम लिविंगस्टोन को टीम से रिलीज कर दिया। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने इंग्लिश खिलाड़ी के नाम एक विदाई नोट लिखा। बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर लिखा कि जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब आपने आगे बढ़कर टीम के लिए अहम योगदान दिया और हमारे सबसे सुनहरे अध्याय पर अपनी छाप छोड़ी। लियाम, आपने इसे पूरी भावना के साथ जिया।

हमें वह बेहद पसंद आया। हर चीज के लिए धन्यवाद। आप हमेशा दिल से आरसीबी से जुड़े रहेंगे। पिछले साल, आरसीबी ने मेगा नीलामी के दौरान लिविंगस्टोन को 8.75 करोड़ रुपये में साइन किया था। इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 में 10 मुकाबले खेलते हुए सिर्फ 112 रन बनाए थे। ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन आरसीबी की ओर से रिलीज किए गए 8 खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनके अलावा, साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को भी फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद एरिना में होगा, जहां 10 टीमें बोली लगाने के लिए आपस में भिड़ेंगी। आरसीबी ने 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिसमें 6 विदेशी हैं। इस टीम के पर्स में 16.4 करोड़ रुपये शेष हैं। ऑक्शन के दौरान टीम के 8 स्लॉट खाली होंगे, जिसमें अधिक से अधिक 2 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को शिकस्त देकर पहली बार खिताब अपने नाम किया था। विराट कोहली आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार की अगुवाई वाली आरसीबी के लिए शीर्ष स्कोरर थे।

रिटेन किए गए खिलाड़ी: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, यश दयाल, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, रसिख सलाम, अभिनंदन सिंह, सुयश शर्मा।

स्पेन विश्व कप में जगह बनाने के करीब, बेल्जियम ने ड्रॉ खेला

बार्सिलोना (स्पेन)। मिकेल ओयारजाबल के दो गोल की मदद से स्पेन ने विश्व कप क्वालीफाइंग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को जॉर्जिया को 4-0 से हराकर अगले साल होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। स्पेन की टीम ने ग्रुप चरण में पांच मैच में जीत हासिल की है। उसने अब तक 19 गोल किए हैं और उसके खिलाफ एक भी गोल नहीं हुआ है। यूरोपीय चैंपियन मंगलवार को अपने अंतिम क्वालीफायर में तुर्किए से भिड़ेगा।

स्पेन ग्रुप ई में तुर्किए से तीन अंक आगे है, जिसने शनिवार को बुल्गारिया को 2-0 से हराया था। यूरोपीय क्वालीफिकेशन के 12 ग्रुप विजेता सीधे विश्व कप में प्रवेश करेंगे। फ्रांस, इंग्लैंड और क्रोएशिया अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पक्का करके विश्व कप में जगह बना चुके हैं। इस बीच बेल्जियम का इंतजार बढ़ गया। कजाकिस्तान ने बेल्जियम को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। बेल्जियम ग्रुप जे में उत्तरी मैसेडोनिया से दो अंक आगे शीर्ष पर है। ग्रुप जे में ही जॉर्डन जेम्स के गोल की मदद से वेल्स ने लिचटेंस्टीन पर 1-0 से जीत हासिल की। यूनान ने ग्रुप सी में स्कॉटलैंड को 3-2 से हराया, जबकि डेनमार्क ने बेलारूस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। स्वीडन को 4-1 से हराकर स्विट्जरलैंड ग्रुप बी में शीर्ष पर बना हुआ है।

सेंसेक्स की शीर्ष दस कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 2.05 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,346.5 अंक या 1.62 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 417.75 अंक या 1.64 प्रतिशत चढ़ गया। हाल की कमजोरी के दौर के बाद सप्ताह के दौरान बाजार में जोरदार उछाल आया और अंत में यह मजबूती के साथ बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 55,652.54 करोड़ रुपये बढ़कर 11,96,700.84 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बाजार हैसियत 54,941.84 करोड़ रुपये बढ़कर 20,55,379.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 40,757.75 करोड़ रुपये बढ़कर 11,23,416.17 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,834.35 करोड़ रुपये बढ़कर 9,80,374.43 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 10,522.9 करोड़ रुपये बढ़कर 8,92,923.79 करोड़ रुपये और इन्फोसिस की बाजार हैसियत 10,448.32 करोड़ रुपये बढ़कर 6,24,198.80 करोड़ रुपये हो गई। यूनिलीवर का स्थान रहा। एचडीएफसी बैंक ने सप्ताह के दौरान 9,149.13 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 15,20,524.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 2,878.25 करोड़ रुपये बढ़कर 5,70,187.06 करोड़ रुपये रही। इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 30,147.94 करोड़ रुपये घटकर 6,33,573.38 करोड़ रुपये पर आ गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम की बाजार हैसियत 9,266.12 करोड़ रुपये घटकर 5,75,100.42 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

एच-1बी वीजा पर अमेरिका के नए नियम 'अस्थायी झटका' : नायडू

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि अमेरिका में एच-1बी वीजा व्यवस्था में हाल ही में की गई सख्ती एक अस्थायी झटका है और भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को मिलने वाला लागत लाभ उन्हें जरूर आकर्षित करेगा। नायडू को दो दशक पहले हैदराबाद को एक साइबर केंद्र के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण रखने का श्रेय दिया जाता है। उस समय ज्यादातर लोगों को प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मौजूद विशाल अवसरों की कोई जानकारी नहीं थी।

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों की विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उच्च मांग बनी हुई है क्योंकि वे उन्नत कौशल और लागत लाभ का एक मजबूत मिश्रण प्रदान करते हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से एच-1बी वीजा पर अमेरिका जाने वाले सबसे ज्यादा भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवर हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एच-1बी वीजा कार्यक्रम में व्यापक बदलाव किया है। यह कार्यक्रम अमेरिकी नियोक्ताओं को विशिष्ट व्यवसायों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है।

इसके लिए उन्होंने 21 सितंबर, 2025 या उसके बाद दायर की जाने वाली नए वीजा आवेदनों पर एक लाख अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाने का निर्णय लिया है। हालांकि, ट्रंप ने तर्क दिया था कि शुल्क वृद्धि कार्यक्रम के 'दुरुपयोग' को रोकने के लिए है, लेकिन अब उन्होंने अपना रुख नरम करते हुए स्वीकार किया है कि अमेरिका को विदेशों से 'प्रतिभाओं को लाने' की आवश्यकता है क्योंकि अमेरिका के पास घरेलू स्तर पर, विशेष रूप से जटिल भूमिकाओं के लिए 'कुछ प्रतिभाएं' नहीं हैं। नायडू ने कहा, ''लागत बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है... आप (भारतीय प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ) लागत-प्रभावी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वे हम पर निर्भर होने के लिए बाध्य हैं। ऐसा होने वाला है। मैं इस बारे में पूरी तरह स्पष्ट हूं।'' उन्होंने कहा कि भारतीयों पर कोई भी प्रतिबंध उनकी प्रगति को नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा कि यह एक 'अस्थायी झटका' है। कुछ लोगों को नुकसान होगा। लेकिन, हमें उनका उपयोग करना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वे नए वीजा नियमों के कारण खाली हुए प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को अवसर प्रदान करने के इच्छुक हैं, नायडू ने कहा, ''जैसे-जैसे भारत स्वदेशी 4जी प्रौद्योगिकी से लेकर उपग्रह, ड्रोन और एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग तक, सभी क्षेत्रों में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी को अपनाएगा, अवसर सामने आएंगे। हम अवसर पैदा करेंगे।''

भारत ने अक्टूबर में रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली। रूसी कच्चे तेल के दूसरे सबसे बड़े खरीदार भारत ने रूसी इकाइयों पर नए प्रतिबंध लगाए जाने से पहले अक्टूबर में रूस से कच्चे तेल की खरीद पर 2.5 अरब यूरो तक खर्च किए हैं। एक यूरोपीय शोध संस्थान ने यह जानकारी दी। अक्टूबर में भारत का रूसी तेल की खरीद पर खर्च सितंबर के समान 2.5 अरब यूरो पर रहा। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के अनुसार, अक्टूबर में चीन के बाद भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। 22 अक्टूबर को, अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण के लिए क्रेमलिन के संसाधनों को कम करने के लिए रूस की दो सबसे बड़े तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इन प्रतिबंधों के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड जैसी कंपनियों ने फिलहाल रूसी तेल का आयात रोक दिया है।

बीते सप्ताह सरसों तेल, पाम-पामोलीन में गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल तथा कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट का रुख रहा। वहीं सट्टेबाजी के कारण सरसों तिलहन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे दाम पर किसानों की कमजोर बिकवाली की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन और सस्ते में गुजरात में मांग बढ़ने से बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। लागत से कमजोर दाम पर बिकवाली के बीच सोयाबीन तेल के भाव पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव पर स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताहांत सरकार ने खाद्य तेलों के आयात शुल्क मूल्य में कमी की है।

आयात शुल्क मूल्य में की गई इस कटौती के तहत सीपीओ के शुल्क में 70 रुपये क्विंटल, पामोलीन में 182 रुपये क्विंटल तथा सोयाबीन डीगम तेल के आयात शुल्क मूल्य में 42 रुपये क्विंटल की कटौती की गई है। इस कटौती के उपरांत अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम पर दबाव कायम हो गया। उन्होंने कहा कि स्टॉकिस्ट की सटोरिया गतिविधियों के कारण सरसों तिलहन के दाम ऊंचा बोले जा रहे हैं और इस वजह से सरसों तिलहन के दाम में सुधार है। पर तिलहन के ऊंचे भाव की वजह से सरसों तेल का भाव भी ऊंचा हैं और इस वजह से इसकी लिवाली प्रभावित है। लिवाली कमजोर रहने की वजह से बीते सप्ताह सरसों तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन तिलहन का एमएसपी 5,328 रुपये क्विंटल है जबकि यही फसल 4,400-4,600 रुपये क्विंटल के हाजिर दाम में बिक रही है। इसलिए बीते सप्ताहांत के मुकाबले सोयाबीन तिलहन में सुधार तो है पर इसे सुधार मानना उचित नहीं होगा क्योंकि हाजिर दाम अभी भी एमएसपी से काफी कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, आयातक बैंकों में अपना ऋण साखपत्र घुमाते रहने के लिए बैंकों के ऋण का नुकसान करते हुए, आयातित सोयाबीन डीगम को लागत से कम दाम पर बंदरगाहों पर ही बेच देते हैं।

उनकी वित्तीय स्थिति ऐसी नहीं है कि वे माल को रोककर अच्छे दाम मिलने का इंतजार कर सकें। लंबे समय से बाजार की हालत जैसी बनी हुई है कि उन्हें जल्दी दाम सुधरने के आसार भी नहीं दिखते। मूंगफली का एमएसपी 7,265 रुपये क्विंटल है जबकि इसका हाजिर दाम एमएसपी से काफी कम यानी 6,200-6,300 रुपये क्विंटल के दायरे में है। इस नीचे दाम पर किसानों की बिकवाली कम रहने के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में बीते सप्ताह सुधार दर्ज हुआ। उन्होंने कहा कि जाड़े में पाम-पामोलीन तेल ठंड की वजह से जमकर ठोस हो जाते हैं और हर अगले दिन उसको उपयोग में लाने के लिए उसे गरम करते हुए पिघलाया जाता है जिसमें समय और धन दोनों जाया होता है। एक तो जाड़े में पाम-पामोलीन की मांग कमजोर रहती है दूसरा विदेशों में भी पाम-पामोलीन के दाम टूटे हैं। 20-25 दिन पहले पाम-पामोलीन का जो दाम 1,190-1,195 डॉलर प्रति टन था वह अब घटकर 1,090-1,095 डॉलर प्रति टन रह गया है। इन परिस्थितियों की वजह से बीते सप्ताह पाम-पामोलीन के दाम भी गिरावट के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा कि मूंगफली तेल और बिनौला तेल की ज्यादातर खपत गुजरात में होती है। मूंगफली से सस्ता होने की वजह से गुजरात में बिनौला तेल की मांग बढ़ी है जिसकी वजह से बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में सुधार आया। बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये के सुधार के साथ 7,125-7,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सरसों दादरी तेल 125 रुपये की गिरावट के साथ 14,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,470-2,570 रुपये और 2,470-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 150-150 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,700-4,750 रुपये और 4,400-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर, सोयाबीन दिल्ली तेल 13,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 13,000 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 10,150 रुपये प्रति क्विंटल पर पूर्व सप्ताहांत के बंद स्तर पर ही स्थिरता का रुख लिए बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में भी सुधार आया। मूंगफली तिलहन 275 रुपये के सुधार के साथ 6,175-6,550 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात का थोक दाम 450 रुपये के सुधार के साथ 14,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का थोक दाम 80 रुपये के सुधार के साथ 2,370-2,670 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

इस सुधार के उलट समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,300 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,075 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 12,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सस्ते में गुजरात की मांग के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 150 रुपये के सुधार के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

भारत का कोयलाा आयात सितंबर में 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन के पार पहुंचा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले शुष्क ईंधन की बढ़ती मांग के कारण सितंबर में देश का कोयला आयात 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयला आयात 1.94 करोड़ टन कोयले रहा था।

आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.39 करोड़ टन रहा, जो सितंबर, 2024 के 1.32 करोड़ टन के आंकड़े से थोड़ा अधिक है। इस्पात क्षेत्र के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले का आयात एक साल पहले के 33.9 लाख टन की तुलना में बढ़कर 45 लाख टन हो गया। एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2025 की अवधि के लिए, गैर-कोकिंग कोयले का आयात पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 9.19 करोड़ टन से घटकर 8.60 करोड़ टन रह गया, जबकि कोकिंग कोयले का आयात 2.81 करोड़ टन से बढ़कर 3.15 करोड़ टन हो गया। एमजंक्शन सर्विसेज एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच है और टाटा स्टील तथा सेल का एक संयुक्त उद्यम है। इस रुझान पर टिप्पणी करते हुए, एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा, ''त्योहारों के मौसम से पहले खरीदारों द्वारा खरीदारी बढ़ाने के कारण मात्रा में वृद्धि हुई है।

इस्पात मिलों की ओर से सर्दियों में पुनः भंडारण की मांग से आगे चलकर कोकिंग कोयले के आयात में तेजी आने की उम्मीद है।'' क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि धातुकर्म और औद्योगिक कोयले की मांग में मजबूती, विशेष रूप से इस्पात मिलों से, इस वर्ष बिजली क्षेत्र की खरीद में मौसमी कमजोरी को कम कर देगी।

विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की केमिस्ट्री ने जीता दिल

फातिमा सना शेखने विजय वर्मा के साथ शेयर की तस्वीरें

मुंबई। अभिनेत्री फातिमा सना शेख और विजय वर्मा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर विजय वर्मा के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। फातिमा ने पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, गुस्ताख इश्क 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।₹ तस्वीरों में दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। फातिमा के फैंस उनकी नई फिल्म को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों की केमिस्ट्री देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म और भी ज्यादा मजेदार होने वाली है। इस फिल्म से मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा प्रोडक्शन में डेब्यू कर रहे हैं, जो स्टेज 5 प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी मनुष नंदन ने की है और साउंड डिजाइन रेसुल पूकुट्टी ने किया है। यह फिल्म न केवल एक प्रेम कहानी है, बल्कि क्लासिक और आधुनिक सिनेमा का संगम भी है। फिल्म में संगीत के लिए मशहूर जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज एक बार फिर साथ आए हैं। फिल्म में पहली बार फातिमा और विजय स्क्रीन पर रोमांस करते दिखेंगे। वहीं, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह दोनों के इश्क को नया आयाम देते दिखेंगे। विभु पुरी द्वारा निर्देशित 'गुस्ताख इश्क' एक रोमांटिक ड्रामा है, जो प्यार, जुनून और भावनाओं की कहानी पेश करेगी। फिल्म में दर्शकों को नए तरीके की प्रेम कहानी का अनुभव होगा। फिल्म में फातिमा सना शेख और विजय वर्मा के अलावा नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में दिखाई देंगे। अभिनेत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'आप जैसा कोई' और अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' थी। फिल्म में अभिनेत्री के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में थे। 'मेट्रो... इन दिनों' फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की 'लाइफ इन ए मेट्रो' की सीक्वल है।

असली क्लाइमैक्स के साथ 50 साल बाद लौटेगी 'शोले', 4K में होगी री-रिलीज

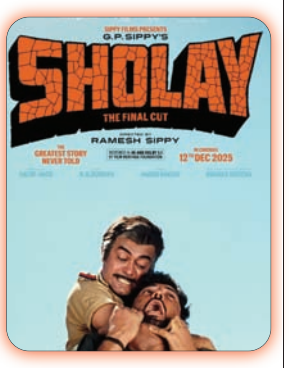

भारतीय सिनेमा की अमर क्लासिक 'शोले' एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने को तैयार है। रिलीज के 50 साल बाद फिल्म को 4K में रिस्टोर कर देशभर में 1,500 स्क्रीन्स पर दोबारा रिलीज किया जा रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज है। फिल्म का असली क्लाइमैक्स, जिसे दर्शक दशकों से सिर्फ एक कहानी की तरह सुनते आए हैं, अब पहली बार वह अंत सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने इस रिस्टोर वर्जन को 'शोलेः द फाइनल कट' नाम दिया है।

नए एडिशन में न सिर्फ विजुअल्स और साउंड को अपग्रेड किया गया है, बल्कि इसमें फिल्म का वह अनकट ओरिजिनल एंडिंग भी शामिल है, जिसे अभी तक किसी दर्शक ने नहीं देखा। रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित 'शोले' 1975 में रिलीज हुई थी, और 50 साल बाद इसका 4K रिस्टोर वर्जन 12 दिसंबर 2025 को थिएटर्स में उतरेगा। 1,500 स्क्रीन्स की रिलीज इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी रिस्टोर फिल्म रिलीज बनाती है। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के मुताबिक, असली क्लाइमैक्स में ठाकुर गब्बर सिंह को अपने पैरों तले कुचलकर मार देता है। सेंसर बोर्ड ने उस समय इस अंत को अत्यधिक हिंसक मानकर इसे बदलने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद आज वाला क्लाइमैक्स फिल्म में जोड़ा गया। अब, 50 साल बाद, पहली बार दर्शकों को वही अनसेंसर्ड और ऑरिजिनल एंडिंग देखने का मौका मिलेगा। 'शोले' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा का इतिहास है। धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, अमजद खान, संजीव कुमार और हेमा मालिनी जैसे दिग्गजों के दमदार अभिनय, यादगार किरदारों, आइकॉनिक संवाद और अमर एक्शन सीक्वेंस ने इसे आज भी दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में शामिल रखा है।

राजामौली और महेश बाबू की 'वाराणसी' का टाइटल अनाउंस

फिल्म संक्रांति 2027 में रिलीज होगी

जैसे ही ग्रैंड ग्लोब ट्रॉटर इवेंट की घोषणा हुई, दर्शकों के बीच भारत की अब तक की सबसे बड़ी सिनेमाई अनाउंसमेंट देखने की उत्सुकता बढ़ गई थी। और आखिरकार, हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित इस मेगा इवेंट ने उस इंतजार को सफल साबित कर दिया। शानदार सेट-अप, विशाल भीड़ और धमाकेदार प्रस्तुतियों के बीच दर्शकों ने एक ऐसा शो देखा, जिसे भारतीय मनोरंजन के इतिहास में लंबे समय तक याद किया जाएगा। इवेंट की सबसे बड़ी हाइलाइट थी, एसएस राजामौली के बहुप्रतीक्षित ग्लोबल प्रोजेक्ट का आधिकारिक टाइटल अनाउंसमेंट। महेश बाबू स्टारर इस फिल्म का नाम 'वाराणसी' रखा गया है। इस मौके पर इसका एक छोटा वीडियो (टीजर) भी 130 फीट की भव्य स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया, जिसने माहौल को और भी रोमांचक बना दिया। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आई 'वाराणसी' संक्रांति 2027 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इवेंट में पृथ्वीराज सुकुमारन के 'कुम्भा' अवतार और प्रियंका चोपड़ा जोनास के दमदार 'मंदाकिनी' लुक का पहला परिचय भी कराया गया। इन खुलासों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी, वीडियो और तस्वीरें कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं, और दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ गई। एसएस राजामौली के निर्देशन में आयोजित यह इवेंट महज एक लॉन्च नहीं था, बल्कि एक दृश्यात्मक उत्सव था। अनुमानित 50,000 से ज्यादा फैंस की मौजूदगी ने इसे भारत के सबसे बड़े लाइव फैन इवेंट्स में से एक बना दिया। महेश बाबू के विशाल फैनबेस और राजामौली के विजन ने इस घोषणा को एक पीढ़ी में एक बार देखने वाला पल बना दिया। राजामौली पहले ही भारतीय फिल्मों को वैश्विक पहचान दिला चुके हैं। अब महेश बाबू के साथ उनका यह प्रोजेक्ट 'वाराणसी' दर्शकों की उम्मीदों से कहीं बड़ा, भव्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव देने वाला बताया जा रहा है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का निधन

कोलंबो। श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के गवर्नर बंदुला हरिश्चंद्र का रविवार सुबह कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उन्होंने 62 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह कुछ समय से बीमार थे। श्रीलंका के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरिश्चंद्र ने कई वर्षों तक कई विभागों में सार्वजनिक सेवा की । राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने उन्हें पिछले साल 25 सितंबर को दक्षिणी प्रांत का गर्वनर नियुक्त किया था। डेली न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार बंदुला हरिश्चंद्र की माध्यमिक शिक्षा श्रीपाली कॉलेज, होराना से हुई। उन्होंने केलानिया विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वे 1991 में श्रीलंका प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए। उन्हें सबसे पहले अम्पारा जिले के सहायक जिला चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। इसके बाद उन्होंने गाले के सहायक जिला चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य किया। इसके बाद हरिश्चंद्र ने गाले फोर ग्रेवेट्स के संभागीय सचिव और गाले के अतिरिक्त जिला सचिव के रूप में कार्य किया। वह कुछ समय तक गाले के कार्यवाहक जिला सचिव के रूप में भी काम किया। इसके बाद उन्हें रत्नपुरा जिला सचिव और हंबनटोटा जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। उन्होंने सामाजिक अधिकारिता, कल्याण और कंद्यान विरासत मंत्रालय के सचिव का पद संभाला। उन्होंने कुछ समय तक वन्यजीव संरक्षण विभाग के सचिव और आप्रवासन एवं उत्प्रवास विभाग में अतिरिक्त महानियंत्रक के रूप में कार्य किया।

पुतिन और नेतन्याहू ने टेलीफोनिक बातचीत में मध्य पूर्व के हालात पर बातचीत की

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी और मध्य पूर्व की स्थिति पर चर्चा की है। दोनों नेताओं ने इन जगहों के मौजूदा हालात पर टेलीफोन पर बातचीत की। क्रेमलिन प्रेस सेवा ने 15 नवंबर की आधारीत यह जानकारी दी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, क्रेमलिन प्रेस सेवा ने बयान में कहा, ₹ दोनों नेताओं के बीच मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थिति पर विचारों का गहन आदान-प्रदान हुआ। बातचीत के केंद्र में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन और बंदियों की अदला-बदली, गाजा पट्टी हालात, ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति और सीरिया में और अधिक स्थिरीकरण को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दे रहे।₹ सनद रहे, गाजा में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता 10 अक्टूबर से लागू है। छह अक्टूबर को इजराइल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों ने गाजा में संघर्ष को सुलझाने के लिए अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू की। दोनों के मध्य मिस्र, कतर, अमेरिका और तुर्किये मध्यस्थ रहे।

नेपाल के वामपंथी नेता ने लगाया पश्चिमी हस्तक्षेप का आरोप

भारत और चीन के लिए बताया खतरा

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के उपाध्यक्ष रामबहादुर थापा ने आरोप लगाया है कि पश्चिमी देश चीन और भारत को कमजोर करने की रणनीति के तहत नेपाल में साजिश रच रहे हैं। चितवन में पार्टी की एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिमी शक्तियों की इच्छा नेपाल के जल संसाधन, यूरेनियम सहित प्राकृतिक खनिजों पर कब्जा जमाने और चीन व भारत के बाजार में अपनी पकड़ बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी शक्तियां चीन से तिब्बत को अलग करना चाहती हैं। साथ ही मंगोलिया को अलग करने की योजना है। इसके अलावा भारत को भी विभाजित करने का षडयंत्र नेपाल से चलाया जा रहा है। थापा ने दावा किया कि 21 मार्च को होने वाला चुनाव राजनीतिक दलों के लिए एक 'हनी ट्रैप' है। उनके अनुसार पश्चिमी साम्राज्यवादी शक्तियां स्थापित दलों को खत्म करके नेपाल में अपने 'दलाल' खड़ा करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्थापित दल सैन्य अड्डा बनाने की अनुमति देकर पश्चिमी हित में कार्य करने का वादा करके आत्मसमर्पण कर देते हैं, तो मार्च में चुनाव हो सकता है और उन्हें जीत भी दिलाई जा सकती है। अन्यथा ऐसा संभव नहीं है। उनके अनुसार सुशीला कार्की को राजनीतिक दलों को कमजोर करने की जिम्मेदारी दी गई है और यदि वे सफल नहीं रहीं, तो यह जिम्मेदारी किसी और को दी जाएगी।

पोप लियो ने कहा-फिल्में सच दिखाएं, आशा का संचार करने वाला हो सिनेमा

वेटिकन सिटी। पोप लियो ने कहा कि फिल्मों को सच दिखाना चाहिए। सिनेमा ऐसा रचा जो, जो आम आदमी में आशा का संचार करे। उन्होंने विश्व सिनेमा के दिग्गजों को आज की दुनिया में आशा, सुंदरता और सच्चाई का साक्षी बनने की चुनौती दी।

पोप लियो (चौदहवें) ने वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस में शनिवार सुबह विश्व सिनेमा के दिग्गजों (अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखकों) के स्वागत समारोह में यह आह्वान किया। वेटिकन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पोप ने कहा कि सिनेमा सिर्फ परदा नहीं, वह उससे से कहीं बढ़कर है। यह आशा को साकार करता है। पोप ने खचाखच भरे अपोस्टोलिक पैलेस 1895 में पेरिस में पहली फिल्म के प्रीमियर के लगभग 130 साल बाद फिल्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। पोप ने कहा आज का सिनेमा को समझने का माध्यम बन गया है। यग अनंत की लालसा को चित्रित करने की इच्छा की अभिव्यक्ति₹ बन गया। है। पोप लियो ने सिनेमा के प्रति आभार व्यक्त करते कहा, ₹सही अर्थों में यह एक लोकप्रिय कला है। यह सभी के लिए सुलभ है। यह मनोरंजन से कहीं अधिक है। फिल्में लोगों की जीवन यात्रा का एक आख्यान प्रस्तुत करती हैं।₹ उन्होंने कहा कि सिनेमा का मानवता के लिए बड़ा योगदान है। यह दर्शकों को दुनिया को परखने में नई दृष्टि प्रदान करता है। यह आत्मनिरीक्षण लोगों को जीवन को पूरी तरह से जीने के लिए आवश्यक आशा के एक हिस्से को फिर से खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि सिनेमा में खो जाने का मतलब है एक दहलीज पार करना है। थियेटर के अंधेरे में हमारी इंद्रियां तीव्र हो जाती हैं और हमारा मन उन चीजों के प्रति अधिक खुला हो जाता है जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। प्रस्तुतियां उन लोगों तक पहुंचती हैं जो मनोरंजन की तलाश में हैं, लेकिन साथ ही अर्थ, सौंदर्य और न्याय की भी तलाश कर रहे हैं। ऐसी दुनिया में जहां स्क्रीन हमारे दैनिक जीवन में सर्वत्र मौजूद हैं, सिनेमा एक ऐसा स्क्रीन हो सकता है जो और भी बहुत कुछ प्रदान करता है। पोप लियो ने जोर देकर कहा, ₹यह इच्छाओं, स्मृतियों और प्रश्नों का एक संगम है।

बलोचिस्तान में पुलिस अधिकारी के काफिले पर गोलीबारी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के सनी और भाग के मध्य के इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के काफिले पर गोलीबारी की। इस दौरान पुलिस ने भी गोली चलानी पड़ी। फिलहाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और काफिले में शामिल सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। हमलावरों के भाग जाने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश शुरू कर दी। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कच्छी के एसएसपी हाल ही में सरकारी रिकॉर्ड जलाने की घटना की जांच के लिए शनिवार को हाजी शहर थाने पहुंचे थे। मुआयना करने के बाद लौटते समय, सनी और भाग के बीच के इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने अचानक उनके काफिले पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, दोनों ओर से लगभग 20-25 मिनट तक भीषण गोलीबारी हुई, लेकिन हमलावर घटनास्थल से भागने में सफल रहे। एसएसपी और सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में प्रांत के कई जिलों में गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। कच्छी जिले के भाग थाना क्षेत्र में महमूद औलिया की सीमा के पास हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला समेत दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। बंदूकधारी वारदात को अंजाम देने के बाद भाग गए। लोरलाई में गोलीबारी की सूचना पर एसएसपी मलिक मोहम्मद असगर उस्मान के नेतृत्व में एक पुलिस दल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने समय पर कार्रवाई करते हुए दिलबर खान (निवासी न्यू बावर) को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा वाध के काका हीर इलाके में मदीना होटल के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने 22 वर्षीय नवाब की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावर गोलीबारी के बाद भागने में सफल रहे। वहीं, डेरा मुराद जमाली के नगर थाना क्षेत्र के हुदूद अबारो मोहल्ले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी।

मेक्सिको सिटी में 'जेन जेड' के विरोध ने पकड़ा जोर, हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जेनरेशन जेड' द्वारा आहूत प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार को यहां हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। इस विरोध प्रदर्शन का विपक्षी दलों के विभिन्न आयुवर्ग के लोगों ने भी समर्थन किया। प्रदर्शन में कुछ युवाओं की पुलिस से झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, पटाखों, लाठियों एवं जंजीरों से हमला किया और पुलिस की ढालें एवं अन्य उपकरण छीन लिए। राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि 120 लोग घायल हुए हैं जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। इस संबंध में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 1990 के दशक के अंत और 2010 के प्रारंभ के बीच जन्मे लोगों ने इस वर्ष कई देशों में असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रदर्शन किए हैं। नेपाल में हाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद सितंबर में सबसे बड़ा 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शन हुआ था जिसके कारण उस देश के प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मेक्सिको में कई युवाओं का कहना है कि वे भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों के लिए दंड से मुक्ति जैसी प्रणालीगत समस्याओं से निराश हैं। युवाओं द्वारा आहूत इस प्रदर्शन में विभिन्न आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फॉक्स और मेक्सिकन अरबपति रिकार्डो सेलिनास प्लीगो ने विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में संदेश प्रसारित किए। एक प्रदर्शनकारी एन्ड्रेस मासा (29) ने कहा, ''हमें अधिक सुरक्षा की आवश्यकता है।' उसने समुद्री डाकू की खोपड़ी वाला झंडा उठाया था जो 'जेन जेड' के विरोध का वैश्विक प्रतीक बन गया है।